RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 शूटिंग में व्यस्त हैं रश्मिका ...

वर्ष : 27 | अंक : 238 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 17 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में बादल फटने से 7 लोगों की मौत, पांच घायल

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जानमाल के नुकसान पर किया दुःख व्यक्त

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में रविवार तड़के बादल फटने और भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। जिले में रात भर हुई भारी बारिश के बीच राजबाग और जंगलोट के जोध घाटी गांव में यह आपदा आई।

कठुआ के जिला विकास आयुक्त राजेश शर्मा वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ बचाव और राहत अभियान की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बादल फटने से प्रभावित जोध घाटी में जहां पांच लोगों की जान चली गई, वहां गांव तक पहुंचने का रास्ता बंद हो गया और कुछ घरों को नुकसान पहुंचा है। वहीं जंगलोट इलाके में बारिश के कारण (शेष पृष्ठ-3 पर)

सीएम उमर ने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री कार्यालय ने लिखा कि सीएम ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल राहत, बचाव और निकासी उपाय करने का निर्देश दिया है।

वहीं, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि नागरिक प्रशासन, सेना और अर्धसैनिक बल कठुआ में बचाव और राहत अभियान चलाने के लिए तत्पर हैं। सिंह ने लिखा कि जंगलोट इलाके में बादल फटने की सूचना मिलने के बाद एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना से बात कर जानकारी ली है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल कार्यालय ने पोस्ट किया कि 'कठुआ के कई इलाकों में बारिश के कारण हुए विनाशकारी भूस्खलन में लोगों की मौत से गहरा दुख हुआ है। यह त्रासदी मन को स्तब्ध कर देने वाली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे बचाव और राहत कार्यों की जानकारी दी।'

प्रधानमंत्री ने दिल्ली-एनसीआर को दिया 11000 करोड़ का तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में लगभग 11 हजार करोड़ रुपये की दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया किया। इन परियोजनाओं में दिल्ली खंड का द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) शामिल हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। इस दौरान पीएम ने रोड शो किया, जिसमें भारी संख्या में समर्थकों ने उनका स्वागत किया।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में यातायात को सुगम बनाना, यात्रा समय कम करना और दिल्लीवासियों को जाम से राहत दिलाना है। उद्घाटन से पहले पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली खंड और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) का निर्माण करने वाले श्रमिकों के साथ बातचीत की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यूईआर-2 (अर्बन एक्सटेंशन रोड-2) को राजधानी के लिए गेम-चेंजर बताया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। ये कॉरिडोर दिल्ली को जाम से राहत देगा, 40 मिनट में आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचाएगा। एनसीआर से चंडीगढ़ तक यात्रा आसान होगी और प्रदूषण कम होगा। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी का आभार जताते हुए कहा है कि ये प्रोजेक्ट विकसित दिल्ली बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

धर्म, सत्य, और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता हैं श्रीकृष्ण का जीवन : पंकज सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने विभिन्न मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं के साथ पर्व का उत्सव मनाया।

पंकज सिंह सबसे पहले सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर पहुँचे, जहाँ उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की। इस दौरान उनके साथ नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान भी उपस्थित रहे।

इसके बाद विधायक पंकज सिंह सेक्टर-50 के सनातन धर्म मंदिर में पहुँचे और वहाँ आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। इसके

उपरांत उन्होंने सेक्टर-56 एवं सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिरों में भी जाकर दर्शन किए और श्रद्धालुओं से भेंट की।

इस अवसर पर पंकज सिंह ने क्षेत्रवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि 'भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस पर्व का उल्लास और आस्था नोएडा की पहचान है।'

एल्विश यादव के घर हुई कई राउंड फायरिंग

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम के सेक्टर-56 में यूट्यूबर और बिग बॉस विनर एल्विश यादव के घर पर रविवार सुबह तड़के करीब 5:30 से 6 बजे के बीच अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। बाइक पर सवार तीन नकाबपोश हमलावरों ने करीब 24 से 30 राउंड गोलियां चलाईं, जिसके बाद वो मौके से फरार हो गए।

विदेश में बैठे गैंगस्टर हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुरिया ने एल्विश यादव के घर पर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी ली। गैंगस्टर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि, जय भोले की, हां भाई राम राम सारे भाइयों को आज जो एल्विश यादव के घर गोली चली है, वो नीरज फरीदपुर और भाऊ रितोलिया ने चलाई है। इसको आज हमने अपना परिचय दिया है।

'बहुत घर बर्बाद कर लिए इसने सट्टे का प्रमोशन करके और ये जो भी सोशल मीडिया के कीड़े हैं, सबको वॉर्निंग है, जो भी सट्टे का प्रमोशन करता मिला, उसके पास कॉल या गोली कभी भी आ सकती है। तो जो भी सट्टे वाले हैं, तैयार रहो। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के पावन पर्व पर पूजन करते सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा।

सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर लड्डू गोपाल का पूजन व अभिषेक करते सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा, नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी व समाजसेवी डी.पी. गोयल व अन्य।

शहीदों की पवित्र रज का भगत सिंह पार्क में किया विसर्जन

क्षेत्र में जमकर गूंजे 'भारत माता की जय' और 'इंक्लाब जिंदाबाद' के नारे

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर ने सेक्टर 150 स्थित भगत सिंह पार्क में शहीदों की रज धूली का विसर्जन किया। रज धूली का यह कलश उन्हें 'जय हो' सामाजिक संस्था के द्वारा प्रेरणा यात्रा के दादरी शहीद स्तंभ पर हुए समापन अवसर पर प्रदान किया गया था। बार

एसोसिएशन द्वारा आयोजित रज धूली के विसर्जन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं पूर्व सैनिक मौजूद रहे। वहीं शहीद भगत सिंह पार्क का पूरा क्षेत्र इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'इंक्लाब जिंदाबाद' के नारों से गूंज उठा।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद भाटी एडवोकेट ने बताया कि जय हो एक सामाजिक संस्था के द्वारा आजादी के महापर्व के अवसर पर क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा का आयोजन किया था। जिसमें जय हो संस्था के संस्थापक कपिल शर्मा एडवोकेट, संयोजक संदीप भाटी, (शेष पृष्ठ-3 पर)

पुलिस और बदमाशों के बीच हुए दो एनकाउंटर दो बदमाशों को लगी गोली, तीन गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर की दो जोन की पुलिस और बदमाशों के बीच हुए दो एनकाउंटर में गोली लगने से गैंगस्टर एक्ट में वांछित बदमाश समेत दो बदमाश घायल हो गये जबकि तीन बदमाशों गिरफ्तार किया गया है।

पहला एनकाउंटर ग्रेटर जोन के कोतवाली दादरी पुलिस और मोटर साइकिल पर सवार बदमाशो के बीच में खण्डेरा जाने वाले रास्ते पर नहर के पास हुआ, जिसमें चांद मौहम्मद पुत्र वाहिद खान पैर में गोली लगने से घायल हो गया. उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरे बदमाश को कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है जिसकी पहचान अमन पुत्र रहमत के रूप में हुई है।

एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि दोनों बदमाश शातिर किस्म के ट्रांसफार्मर चोर है। जिनके द्वारा पहले भी थाना दादरी और आसपास के इलाकों से ट्राँसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर तेल व ट्राँसफार्मर के उपकरण चोरी करने गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाही की गई थी, जिसमें वांछित थे। उसके पास से अवैध हथियार कारतूस और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

पुलिस और बाइक सवार बदमाश के बीच दूसरा एनकाउंटर नोएडा जोन के कोतवाली सेक्टर-58 क्षेत्र में हुआ। पुलिस की टीम सैक्टर-62 के पास चैकिंग कर रही थी, तभी मोटर साइकिल सवार एक व्यक्ति आता दिखाई दिया, पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने लगा, पुलिस की जवाबी कार्रवाही मे गोली लगने से घायल हो गया। जिसकी पहचान सोहनपाल उर्फ सोनू पुत्र मूलचन्द्र सिंह के रुप मे हुई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि घायल सोहनपाल की निशानदेही पर उसके दो साथियों को शुभम पुत्र हरी प्रसाद और निखिल पुत्र रामशंकर को गिरफ्तार किया गया, तीनों वाहन चोर है, इनके कब्जे चोरी की अवैध हथियार, तीन मोटरसाइकल बरामद हुई है। इनका अपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है।

अखिलेश यादव का पीडीए का नारा महज एक छलावा : डॉ. संजय निषाद

30 अगस्त को दिल्ली में निषाद पार्टी का होगा महा अधिवेशन

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ संजय निषाद ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पीडीए का नारा महज एक छलावा है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा दलित तथा अल्पसंख्यक वोट बैंक पर एकाधिकार करने के लिए यह अखिलेश यादव की यह एक चुनावी साजिश है जो कभी पूरी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव दलित पिछड़ा वर्गों को अपने पाले में करने का जो प्रचार कर रहे हैं। दलित पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक उनके झांसे में कभी नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि पूजा पाल को पार्टी से निकालने का हालिया उदाहरण स्पष्ट करता है कि वह पिछड़े वर्ग

के कितने हितैषी हैं।

चेतन मंच के साथ विशेष बातचीत डॉ संजय निषाद ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि 20 अगस्त को दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में निषाद पार्टी का दसवां राष्ट्रीय महा अधिवेशन किया जा रहा है जिसमें देश भर से मछुआरा समाज के लाखों लोग मौजूद रहेंगे।

डॉ. निषाद ने कहा कि प्रदेश सरकार मछुआ समाज एवं मत्स्य पालन से जुड़े लोगों के आर्थिक उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मत्स्य (शेष पृष्ठ-3 पर)

मुनीर की दोस्ती

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल एवं सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर एक कट्टरपंथी मौलवी ज्यादा हैं और एक पेशेवर सेनाध्यक्ष कम लगते हैं। वह दो माह के अंतराल में दूसरी बार अमरीका के दौरे पर हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मुलाकात भी तय है। क्या अमरीकी राष्ट्रपति ने 'व्हाइट हाउस' में राष्ट्राध्यक्ष अथवा शासनाध्यक्ष के बजाय सेना के जनरल से द्विपक्षीय मुलाकात की परंपरा शुरू कर दी है? जनरल मुनीर को अमरीका की सरजमीं से परमाणु हमले की धमकी देने की अनुमति क्यों दी गई? अमरीका तो भारत का मित्र और रणनीतिक साझेदार देश है। बेशक टैरिफ के मुद्दे पर विवाद है, लेकिन अमरीका 'क्वाड' जैसे संगठन में भी भारत का साथी देश है। 'क्वाड' का शिखर सम्मेलन भारत में ही होना है। ट्रंप उसे टाल नहीं सकते। बहरहाल पाक समुदाय को संबोधित करते हुए मुनीर ने लगभग पूरी दुनिया को धमकाया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है। यदि हम सोचते हैं कि हम हार रहे हैं, तो उससे पहले हम आधी दुनिया को नष्ट कर देंगे।'' मुनीर के कथन के भाव यही थे। हालांकि उनका संबोधन अंग्रेजी भाषा में था। इससे पहले मुनीर ने सीधे भारत को धमकी दी थी कि हम सिंधु पर बांध बनाने का इंतजार कर रहे हैं। यदि ऐसा किया गया, तो हम बांध पर 10 मिसाइलों से हमला करेंगे। हमारे पास बहुत मिसाइलें हैं।'' भारत ने मुनीर के इन शब्दों को 'गीदड़ भभकी' के तौर पर लिया और एक बार फिर साफ किया कि भारत परमाणु हमले की 'ब्लैकमेल' से नहीं डरता। कारगिल और 'ऑपरेशन सिंदूर' के युद्धनुमा संघर्षों के दौरान भी पाकिस्तान परमाणु शक्ति वाला देश था। मुनीर अच्छी तरह जानते हैं कि पाकिस्तान को किस तरह घुटनों पर आना पड़ा? सबसे गौरतलब यह है कि आतंकवाद और पाकिस्तान को लेकर अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप का नजरिया क्यों बदल गया है? ट्रंप ने पहले राष्टपति-काल के दौरान ही पाकिस्तान की अरबों डॉलर की आर्थिक मदद रद्द कर दी थी। तो क्या अब पाकिस्तान आतंकवाद-मुक्त देश लगता है? राष्टपति ट्रंप इतना जरूर समझ लें कि पाकिस्तान के जनरल के प्रस्ताव पर ही उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार मिलने वाला नहीं है। फर्जी युद्धविराम के दावों के आधार पर भी सर्वोच्च शांति पुरस्कार से नहीं नवाजा जा सकता। नोबेल पुरस्कार समिति और ज्यूरी को सब जानकारियां होती हैं। अमरीकी राष्टपति पाकिस्तान में क्या करना चाहते हैं, यह भी समूचे विश्व के संज्ञान में है। दरअसल अपने वजूद के 78 सालों के बावजूद पाकिस्तान की सियासत, हुकूमत और खासकर फौज 'भारत-ग्रंथि' से मुक्त नहीं हो पाई है। जनरल मुनीर ने अमरीका में कश्मीर पर वही जहर उगला है, जो पहलगाम नरसंहार से पहले एक और संबोधन में किया था। क्या सेना प्रमुख का यह भी काम होता है कि वह पाक समुदाय को भड ?ाए और सुलगाए? मुनीर के बयान बता रहे हैं कि उसकी महत्वाकांक्षा क्या है? पाकिस्तान का इतिहास उसके जनरलों की ऐसी महत्वाकांक्षाओं और उनकी कारस्तानियों से भरे हैं। मुनीर के संबोधन समझा रहे हैं कि आने वाला युद्ध 'नई किस्म' का होगा। यह 'आर्थिक युद्ध' भी हो सकता है, क्योंकि मुनीर ने रिलायंस इंडस्ट्रीज की गुजरात के जामनगर में स्थित रिफाइनरी को निशाना बनाने की कसम खाई है। यह विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी है। मुनीर हरेक संदर्भ में पाकिस्तान को भारत का प्रतिद्वंद्वी देश चित्रित करना चाहता है, जबकि यथार्थ बिल्कुल भिन्न है। भारत की जीडीपी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था से 10 गुना ज्यादा है और यह अंतर चौड़ा होता जा रहा है। विश्व में भारत का जो दर्जा है, पाकिस्तान उस संदर्भ में दूर-दूर तक भी नहीं है। पाकिस्तान सब कुछ उधार मांग कर जीने वाला देश है। मुनीर सपने देखना चाहते हैं, तो कोई क्या कर सकता है?

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि जो मन, वचन और कर्म से अगोचर हैं, वही प्रभु दशरथजी के आँगन में विचर रहे हैं। भोजन करने के समय जब राजा बुलाते हैं, तब वे अपने बाल सखाओं के समाज को छोड़कर नहीं आते॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कौसल्या जब बोलन जाई। ठुमुकु ठुमुकु प्रभु चलहिं पराई॥
निगम नेति सिव अंत न पावा। ताहि धरै जननी हठि धावा॥

कौसल्या जब बुलाने जाती हैं, तब प्रभु ठुमुक-ठुमुक भाग चलते हैं। जिनका वेद 'नेति' (इतना ही नहीं) कहकर निरूपण करते हैं और शिवजी ने जिनका अन्त नहीं पाया, माता उन्हें हठपूर्वक पकड़ने के लिए दौड़ती हैं॥

धूसर धूरि भरें तनु आए। भूपति बिहसि गोद बैठाए॥

वे शरीर में धूल लपेटे हुए आए और राजा ने हँसकर उन्हें गोद में बैठा लिया॥

दो0- भोजन करत चपल चित इत उत अवसरु पाइ।
भाजि चले किलकत मुख दधि ओदन लपटाइ॥

भोजन करते हैं, पर चित चंचल है। अवसर पाकर मुँह में दही-भात लपटाए किलकारी मारते हुए इधर-उधर भाग चले॥

बालचरित अति सरल सुहाए। सारद सेष संभु श्रुति गाए॥
जिन्ह कर मन इन्ह सन नहिं राता। ते जन बंचित किए बिधाता॥

श्री रामचन्द्रजी की बहुत ही सरल (भोली) और सुंदर (मनभावनी) बाललीलाओं का सरस्वती, शेषजी, शिवजी और वेदों ने गान किया है। जिनका मन इन लीलाओं में अनुरक्त नहीं हुआ, विधाता ने उन मनुष्यों को वंचित कर दिया (नितांत भाग्यहीन बनाया)॥ (क्रमश:...)

क्या सितंबर में अमेरिकी दौरे से पिघलेगी रिश्तों पर जमी बर्फ

चाहे अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप हों, या अमेरिकी उपराष्टपति जेडी वेन्स, दोनों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'टफ नेगोशिएटर' यानी 'कठोर वार्ताकार' बताते आए हैं। इसका अभिप्राय एक ऐसे व्यक्ति से होता है जो बातचीत में आसानी से हार नहीं मानता, अपनी बात पर दृढ़ रहता है और समझौते पर पहुंचने के लिए आसानी से झुकता नहीं है। जब-जब मैं उन दोनों नेताओं के मुख से टंप नेगोशिएटर शब्द सुनता हूँ तो महसूस करता हूँ कि आखिर इन अमेरिकियों के मन में चल क्या रहा है?

लेकिन अब उन बातों का जवाब मिल चुका है। वह यह कि अमेरिका को चीन के मुकाबले एक मजबूत भारत नहीं, बल्कि पिछलग्गू भारत की जरूरत है। वहीं, भारत विरोधी पाकिस्तान व बांग्लादेश को पुन: भड़काकर अमेरिकी नेताओं ने मित्रता की आड में जो शत्रुतापूर्ण चालें चलीं हैं, उसके भी सही जवाब का उन्हें इंतजार करना होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी आजतक किसी के चतुराई भरे व्यवहार या दुर्व्यवहार को कभी भूलते नहीं हैं और उचित वक्त आने पर सूद समेत ऐसा वापस करते हैं, जिसे दिग्गज नेता व उद्योगपति ज्यादा समझते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह अच्छा लग रहा है या बुरा।

दरअसल, यह बात मैं इसलिए कर रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सितंबर माह में संयुक्त राष्ट महासभा के एक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करने के लिए मित्र से शत्रु बनते जा रहे देश अमेरिका का अहम दौरा कर सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की संभावित अमेरिका यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक ऐसे समय में हो रही है जब हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध प्रभावित हुए हैं। पहले इन सम्बन्धों पर रूस-यूक्रेन की वक्र दृष्टि पड़ी और फिर भारत-पाक सीमित संघर्ष और इजरायल-ईरान युद्ध की। भारत-चीन की आंखमिचौली की बात अलग है।

गौरतलब है ऐसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराने का दावा किया तो नई दिल्ली ने उनके इस दावे का खंडन कर दिया। वहीं रूस-चीन से सीधी शत्रुता मोल नहीं ली। वहीं, गुटनिरपेक्ष भारत ने ग्लोबल साउथ को जो नेतृत्व दिया उससे भी विकसित देश चिड़े हुए हैं। लिहाजा, सुलगता हुआ सवाल है कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी के संभावित सितंबर अमेरिकी दौरा से आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलेगी? यदि हां तो फिर क्या इसके मायने दोनों पक्षों के लिए हितकारी साबित होंगे?

उससे भी बड़ा सवाल यह है कि आखिर अमेरिकी राष्टपति ट्रंप अपने नवोदित पार्टनर भारत और पीएम मोदी के पीछे हाथ धोकर क्यों पड़े हुए हैं? आखिर वो क्या वजह है कि अमेरिका, अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धी चीन का घोर विरोधी होने के बावजूद भी उसे अब नजरअंदाज कर रहा है, जबकि पहले सीधे टारगेट पर लिया करता था? यक्ष प्रश्न है कि भारत का नया करीबी पार्टनर होने के बावजूद अमेरिका उसे आंख पर आंख क्यों

दिखाता जा रहा है! क्या भारत के साथ जारी टैरिफ युद्ध सिर्फ व्यापार तक सीमित है या फिर इसका अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक एजेंडा कुछ और है?

इस लिहाज से प्रासंगिक सवाल है कि क्या ट्रंप सरकार भारत के साथ अपने संबंधों में तनाव बढ़ाकर एक बड़ी वैश्विक भूल कर रही है? या फिर यूरोपीय संघ के देशों, पाकिस्तान और चीन को पुन: पटाने के लिए वह अपने पुराने ढर्रे पर जा रहा है? समझा जाता है कि इन सभी सवालों के उत्तर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सितंबर अमेरिका यात्रा से मिल सकती है। क्योंकि उन्हें 21 वीं सदी का एशियाई बिस्मार्क समझा जाता है। यूक्रेन के राष्टपति जेलेन्सकी के मुताबिक, यहीं पर उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी से होगी, जैसा कि पीएम मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया है।

समझा जाता है कि भारतीय विदेश नीति की परिपक्वता से 'खूनी कारोबारी' के रूप में मशहूर अमेरिकी राष्टपति ट्रंप के युद्धोन्मादी एशियाई सपने धरे के धरे रह गए हैं। इसलिए ट्रंप बौखलाए हुए हैं। तभी तो उन्होंने पिछले महीने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया। इसके साथ ही रूसी तेल के आयात पर 25 फीसदी अतिरिक्त जुर्माना टैरिफ लगाकर इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। जबकि भारत सरकार ने कहा है कि टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देशों की ओर से कई मुद्दों/मोर्चों पर बातचीत चल रही है। लिहाजा, मोदी के अमेरिका दौरे का मुख्य उद्देश्य ट्रंप से व्यापार मुद्दों पर चर्चा करना और टैरिफ समझौता करना हो सकता है।

यह भी अजीबोगरीब बात है कि भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी देश अमेरिका-चीन की यात्रा प्रधानमंत्री मोदी इसी अगस्त/सितंबर माह में करने वाले हैं, जो उनका जन्म माह भी है। इसलिए करिश्माई परिणाम की उम्मीद रखी जा सकती है। वहीं, मित्र देश रूस के राष्टपति नवंबर-दिसंबर में भारत आएंगे। जबकि भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर 21 अगस्त को रूस में अपने समकक्ष से कूटनीतिक व रणनीतिक साझेदारी ब ?ाने की बात करेंगे। वहीं, अक्टूबर में क्वाड सम्मेलन में अमेरिकी राष्टपति ट्रंफ के भी भारत आने का कार्यक्रम है, लेकिन उनके बदलते वैश्विक रूख के चलते यह मामला आगे बढेगा या खटाई में पड़ेगा, यह वक्त बताएगा।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट महासभा (यूएनजीए) का 80वां सत्र 9 सितंबर को शुरू होगा। जिसके बाद उच्च स्तरीय सामान्य बहस 23-29 सितंबर तक चलेगी, जिसमें ब्राजील सत्र का पारंपरिक पहला वक्ता होगा, उसके बाद अमेरिका होगा। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को प्रतिष्ठित यूएनजीए मंच से विश्व के नेताओं को संबोधित करेंगे। यह व्हाइट हाउस में उनके दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट सत्र में उनका पहला संबोधन होगा। जबकि, भारत के शासन प्रमुख पीएम नरेंद्र मोदी 26 सितंबर की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे।

बताया जाता है कि इसी दिन इजरायल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्टाध्यक्ष यानी पीएम और राष्टपति का भी यूएनजीए की आम बहस को संबोधित करने का कार्यक्रम है। ततपश्चात इसका समापन 29 सितंबर को होगा। बता दें कि यह वार्षिक बैठक वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और समाधानों पर सहयोग करने के लिए संयुक्त राष्ट के सभी 193 सदस्य देशों के नेताओं को एक साथ लाती है।

बताया जाता है कि इसी अमेरिकी यात्रा के दौरान उनकी अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्टपति जेलेन्सकी से मुलाकात की संभावना है, जिसके बाद दोनों देशों के नेताओं के बीच अलग-अलग समयों पर व्यापार मुद्दों और युद्ध रोकवाने पर बातचीत हो सकती है। इस बातचीत में अमेरिकी टैरिफ को लेकर पारस्परिक सहमति बनाने पर भी जोर रहेगा। बता दें कि नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की आखिरी मुलाकात फरवरी 2025 में हुई थी जब भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिका गए थे। रिपोर्टों के अनुसार, पीएम मोदी की यात्रा की तैयारियां चल रही हैं और अगस्त के अंत तक इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है।

गौरतलब है कि अपनी पिछली द्विपक्षीय बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में, पीएम मोदी और ट्रंप ने 2025 के अंत तक पारस्परिक रूप से दोनों के लिए फायदेमंद, बहु-क्षेत्र द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किश्त पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी। लेकिन व्यापार वार्ता के बीच ही ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, जिसमें नई दिल्ली की रूसी तेल की खरीद के लिए 25 प्रतिशत भी शामिल था, जो 27 अगस्त से लागू होगा। वहीं, पिछले सप्ताह ट्रंप के कार्यकारी आदेश में 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और भारत के प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए छठे दौर की वार्ता के लिए अमेरिका की एक टीम 25 अगस्त से भारत का दौरा करने वाली है। दोनों देश इस साल अक्टूबर-नवंबर तक समझौते के पहले चरण को समाप्त करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

लिहाजा, इस टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उनके देश को निशाना बनाना अनुचित है। किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्टीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। दरअसल, भारत सरकार का कहना है कि हम इन मुद्दों पर पहले ही अमेरिका से अपना रुख स्पष्ट कर चुके हैं। इनमें यह तथ्य शामिल है कि हमारा आयात बाजार की परिस्थितियों पर आधारित है। इसका मकसद भारत की एक अरब 40 करोड़ आबादी की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

यही वजह है कि भारत ने अमेरिका के इस टैरिफ सम्बन्धी फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और तर्कहीन करार दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी साफ-साफ कहा है कि टैरिफ के मसले पर भारत अपने हितों के साथ कतई समझौता नहीं करेगा। वहीं, भारत के अलावा चीन भी रूस का बड़ा व्यापारिक साझेदार है। चीन भारत के मुकाबले करीब दोगुना रूसी तेल का आयात करता है। फिर भी अमेरिका ने चीन को 90 दिनों की मोहलत दे दी है। लिहाजा, हम इसका भी कारण समझेंगे, लेकिन पहले समझते हैं टैरिफ के कारण भारत को क्या नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ऐसे में सवाल है कि आखिर में भारत, अमेरिकी शर्तें क्यों नहीं मान रहा है? तो इसका स्पष्ट जवाब होगा कि ट्रम्प ने लंबे समय से भारत को 'टैरिफ किंग' करार दिया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, 2024 में 45.8 अरब डॉलर के भारी अमेरिकी माल व्यापार घाटे का सबूत देते हैं, जिससे अर्थव्यवस्था से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों पर वार्ता बार-बार लड़खड़ा गई। ऐसा इसलिए कि भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ में कटौती करने से इनकार कर दिया है।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

चौदह अगस्त दो हजार सैंतालिस (व्यंग्य)

स्वतंत्रता दिवस की पहली सदी पूरी होने की पूर्व संध्या पर, एक सौ ग्यारह मंजिल वाले, नाइन स्टार होटल की खुली छत पर देश के सफलतम नेताओं ने एक बैठक की। इस उंचाई पर कोई पर्यावर्णीय परेशानी नहीं थी। दुनिया भर से मंगाए प्रसिद्ध पकवान वहां उपलब्ध रहे। स्वतंत्रता के सौ सालों में विकासजी ने खूब मेहनत कर यह जबर्दस्त बदलाव भी लाया कि अब किसी भी खाने की वस्तु को शाकाहारी या मांसाहारी नहीं कहा जाता था। पीने के लिए पूर्णतया आर्गेनिक सोमरस था जिसे सतयुग में राजा इन्द्र और अन्य देव ग्रहण करते थे। बैठक को तनाव रहित एवं मनोरंजक बनाए रखने के लिए कृत्रिम बुद्धि से रची बेहद मिलनसार लुभावनी मेनकाएं व रंभाएं भी थीं ।

यह बैठक वास्तव में एक जशन रहा जो देश से गरीबी के पूर्णतया चले जाने के उपलक्ष्य में था। 'गरीबी देश छोडो' कार्यक्रम कैसे सफल हुआ इस पर लोक सेवकों ने रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी। लोक सेवकों ने गहरा मंथन कर रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने विस्तार से समझाया कि धुरंधर, बुद्धिमान प्रशासकों और सही नीयत पर आधारित दर्जनों योजनाएं ईमानदारी, कर्मठता से लागू की और गरीबी के सारे बाल बांके कर दिए। ठोस

स्वतंत्रता के सौ सालों में विकासजी ने खूब मेहनत कर यह जबर्दस्त बदलाव भी लाया कि अब किसी भी खाने की वस्तु को शाकाहारी या मांसाहारी नहीं कहा जाता था।

संकल्प लिए, करोड़ों अरबों के विज्ञापन दिए जिससे गरीबी को गहरा फर्क पड़ा। नए विभाग बनाकर, प्रवचक भर्ती कर उन्हें व्यावसायिक ट्रेनिंग दी। उन्होनें बस्तियों में नाच गाकर, गरीबी दूर करने की योजनाओं के लाभ गरीबों की आत्मा में प्रवेश करा किए। शासकों की उत्तम ग्रहदशा, योजनाओं के उत्कृष्ट क्रियान्वन, शानदार पूजा पाठ और कलाकारों के गजब प्रदर्शन के कारण सफलता अविलम्ब उगने लगी। इस सन्दर्भ में बढ़िया महंगे वीडियो तैयार किए गए। आकर्षक, विशाल रंगीन विज्ञापन और प्रैस विज्ञप्तियां दी गई जिससे पूरी दुनिया को सफलता बारे पता चला।

अनुभवी सामाजिक वकीलों ने मिलकर एक घोषणा पत्र ड्राफ्ट किया, जिसे सिर्फ पढ़ने से ही गरीबों को गरीबी खत्म होने एहसास होने लगा। उस पर सभी गरीबों से, गवाह समेत हस्ताक्षर कराए गए। इस घोषणा पत्र में कुछ ऐसा लिखा गया, 'पैदा होने से अब तक गंदगी में रहने, गुरबत व जिल्लत की जिंदगी से निजात दिलाने के लिए मैं सरकार का धन्यवादी हूं कि मेरे लिए सकारात्मक सोचते हुए यह कई दर्जन योजनाएं बनाई। गलत नक्षत्रों में पैदा होने के बावजूद हमें रोटी कपड़ा और मकान दिया गया, चौबीस घंटे मनोरंजन के सभी प्रबंध किए गए। ऐसी योजनाएं बनाने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद'।

देश के सभी पूर्व गरीबों से डिजिटली लिए गए घोषणा पत्रों की एक झलक बैठक में जोर शोर से दिखाई गई जिससे यह साबित हो गया कि गरीबी का नामोनिशान मिट चुका है। इस ऐतिहासिक, स्वर्णिम विरली राष्ट्रीय उपलब्धि के अवसर पर, देश के कोने कोने में ग्यारह ग्यारह करोड़ से बनाए जाने वाले 'पूर्व गरीबी स्मारक' का निर्माण करने का प्रस्ताव बैठक में लाया गया जिसे तालियों की अमीर गड़गड़ाहट के बीच संपूर्ण अभिमत से स्वीकार कर लिया गया। **- संतोष उत्सुक**

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष नवमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अनाप-शनाप खर्चों होंगे। अज्ञात भय सताएगा। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा संभव है। प्रेम-संतान की स्थिति ठीक है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
यात्रा में कष्ट संभव है। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापारिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
अपमानित होने का भय है। यात्रा अभी रोक कर रखें। कार्य अभी भी विघ्न-बाधा से भरा रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी मध्यम रहेगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रु पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। पैरों में चोट-चपेट लग सकती है

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। नकारात्मक ऊर्जा का मानसिक संचार होगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
गृहकलह बड़ा हो सकता है। घरेलू चीजें बाहर जा सकती हैं। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। स्वयं के स्वास्थ्य पर और अपनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन हानि के संकेत हैं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार लगभग ठीक है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। घबराहट, बेचैनी व उदर रोग से संबंधित परेशानी व रक्तचाप ऊपर-नीचे हो सकता है।

अर्थव्यवस्था की रीढ़ है कृषि : संजय कुदेशिया

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको घियानगर फूलपुर में 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया एवं विशिष्ट अतिथि विनीता कुदेशिया रहे। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक ने ध्वजारोहण किया एवं राष्ट्रगान गाया गया। न्यू जेन सुरक्षा गार्ड, एस.आई.एस सुरक्षा गार्ड, केन्द्रीय विद्यालय स्कॉउट-गाइड के बच्चों ने मार्च पास्ट में हिस्सा लिया तथा मुख्य अतिथि को सलामी दी गई।

वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के सैनिकों के शौर्य एवं बलिदानों को याद एवं नमन करने का दिन है। उन्होंने कहा कि प्रबंध निदेश के.जे. पटेल दृढ़ निश्चय व दूरदर्शी सोच वाले व्यक्ति है, डॉ

यू.एस.अवस्थी से जो उन्हे विरासत में मिला उसको वह आगे ले जा रहे है। उन्होंने कहा कि इफको चेयरमैन दिलीप संघानी भारत में निर्मित वस्तुओं (स्वदेशी निर्माण वस्तुओं) के उपभोग एवं उपयोग को प्राथमिकता देते है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है क्योंकि हमारे सकल घरेलु उत्पाद में कृषि का योगदान 19 प्रतिशत तथा यह कृषि क्षेत्र 50 प्रतिशत आबादी के रोजगार का साधन है। उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरक मृदा की गुणवत्ता को बनाये रखने में सहायक है।

उन्होंने महिला चेतना क्लब के समाजोत्थान कार्य तथा इफको कोर्डेट द्वारा किसान हित में कार्य करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि इफको द्वारा समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत ग्रामीण बच्चों के शिक्षण कक्ष निर्माण व शौचालय निर्माण में सहायता, पेयजल हेतु स्थानीय ग्रामीण अंचल में हैंडपंप की व्यवस्था करना सराहनीय कार्य है।केन्द्रीय विद्यालय एवं ओम बाल विद्या मंदिर के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस दौरान कार्यकारी निदेशक तकनीकी संजय वैश्य, वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय भंडारी, महाप्रबंधक अनीता मिश्रा, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः रत्नेश कुमार, एस.के.सिंह, संदीप गोयल, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्प्लाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर इफको कर्मचारी यूनियन ने फहराया तिरंगा

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको फूलपुर इकाई में कर्मचारी यूनियन की ओर से यूनियन कार्यालय के प्रांगण में आजादी के 79 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर झंडारोहण किया गया।

इस मौके पर यूनियन के अध्यक्ष पंकज पांडे एवं महामंत्री विजय यादव ने अपने कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ झंडा रोहण किया यूनियन अध्यक्ष पंकज पांडे ने कहा कि अपने लाखों पूर्वजों द्वारा प्राणों की आहुति देने के बाद यह आजादी मिली है। यह हमें आगे आने वाली पीढ़ी को याद दिलाते रहना चाहिए। महामंत्री विजय यादव ने कहा कि देश को 1947 में आजादी मिलने के बाद दोनों देशों में भड़की हिंसा का दंस आज भी लोग झेल रहे हैं आजादी के लिए शहीद हुए लोगों को भूलना नहीं चाहिए। झंडारोहण के बाद लोगों में मिष्ठान वितरण किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे प्रधान कार्यालय में हर्षोल्लास से मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

प्रयागराज (ब्यूरो)। सूबेदारगंज स्थित उत्तर मध्य रेलवे प्रधान कार्यालय प्रयागराज में राष्ट्र का 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाप्रबंधक उपेन्द्र चन्द्र जोशी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक ने रेलवे सुरक्षा बल, भारत स्काउट एवं गाइड तथा सेंट जॉन एम्बूलेन्स ब्रिगेड की परेड का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक महोदय ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले 21 रेल कर्मियों को पुरस्कृत भी किया।

पुरस्कृत कर्मचारियों में गजेन्द्रकुमार/ट्रैकमेंटेनर-IV, संतोष सिंह/ट्रैफिक इंस्पेक्टर, आनंद कुमार पटेल/ वरिष्ठ कारपेंटर, अविनाश सिंह यादव/ वरिष्ठ.खण्ड अभियंता/टेली., लाल चन्द्र पाल/लोको पायलट,राजेश उरांव/ मुख्य माल पर्यवेक्षक, राजीव कुमार मित्तल/ उप मुख्य नियंत्रक, सत्यम सक्सेना/ अवर अभियंता, नागभूषण सिंह/ वरिष्ठ खण्ड अभियंता, सुरेन्द्रलाल वर्मा/ ट्रैकमेंटेनर -IV, मजबूत सिंह/ लोको पायलट मेल, परमोली/ अवर लिपिक, सुमित द्विवेदी/ यातायातनिरीक्षक (गुड्स), देवेन्द्र कुमार/ अवरअभियंता (सिग्नल), अनिल कुमार मीना/ वरिष्ठटेकनिशियन, सुशील मौर्या/ वरिष्ठ खण्डअभियंता, विकास कुमार/ टेकनिशियन – III, मधुसूदन सिन्हा/स्टेनो-I, तारकेश्वर तिवारी/ यातायात निरीक्षक, तेजश्वनी/ अवर अभियंता/पी.वे., भूपेंद्रकुमार

सरोज, वरिष्ठ खण्ड अभियंता को सम्मानित किया गया।इस दौरान महाप्रबंधक उपेन्द्र चन्द्र जोशी एवं अध्यक्षा, उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन श्रीमती चेतना जोशी ने प्रधान विभागाध्यक्षों एवं महिला कल्याण संगठन की पदाधिकारियों ने तिरंगे गुब्बारे हवा में छोड़े ।

इस अवसर पर हुए रंगारंग सास्कृतिक कार्यक्रम में, श्रीमती पूर्णिमा के निर्देशन में टेंडरफीट के बच्चों द्वारा-वंदेमातरम गीत पर समूह नृत्य, सुश्री अपराजिता पटेल एवं सुश्री मिताली वर्मा के मार्गदर्शन में पूर्वी भारत के लोक नृत्यों के संगम पर आधारित सामूहिक नृत्य, श्रीमती आरती रावत के निर्देशन में नन्हा मुन्ना राही हूँ। परप्रयाग पेटल्स के बच्चों द्वारा समूह नृत्य, तेरी उंगली पकड़ के चला पर शिशुगृह के बच्चों द्वारा नृत्य संदीप कुमार, मोहम्मद फैजान अहमद - समूह गायन, आदि की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मनमोह लिया। स्वतंत्रता दिवस संदेश में महाप्रबंधक ने उत्तर मध्य रेलवे के सभी कर्मचारियों,जवानों, पर्यवेक्षकों, अधिकारियों एवं उनके परिजनों को गौरवशाली राष्ट्र के 79वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी और उदबोधन दिया।

उन्होंने कहा कि जब हमारे देश को विदेशी शासन और गुलामी की जंजीरों से स्वतंत्रता हासिल हुई थी और एक ओजस्वी राष्ट्र के रूप में हमने अपना गौरव फिर से प्राप्त किया था। आज हम देश को आजाद कराने वाले अपने महापुरुषों के बलिदान और नि:स्वार्थ सेवा का पुण्य स्मरण करते हैं। हमारा यह पुनीत कर्तव्य है कि उन स्वाधीनता सेनानियों ने देश के विकास का जो सपना संजोया था, हम उसे साकार कर विकास और उन्नति का मार्ग निरंतर प्रशस्त करते रहें। इस पावन अवसर पर हमें यह भी संकल्प लेना चाहिए कि हम राष्ट्र और राष्ट्रवासियों की सेवा के साथ-साथ मानवता के कल्याण के व्यापक उद्देश्यों के प्रति भी समर्पित रहेंगे।

पृष्ठ एक के शेष....

जम्मू-कश्मीर के....

हुए भूस्खलन में दो लोगों की जान चली गई।

उन्होंने बताया कि जोध घाटी से पांच लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय स्वयंसेवकों द्वारा संयुक्त बचाव अभियान जारी है।

कठुआ थाना इलाके के बागड़ और चांगडा गांवों और लखनपुर थाना क्षेत्र के दिलवान-हुतली में भी भूस्खलन हुआ। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण अधिकांश जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है और उझ नदी खतरे के निशान के पास बह रही है।

जिला प्रशासन स्थिति पर कड़ी नज़र रखे हुए है और लोगों से उनकी सुरक्षा के लिए जलाशयों से दूर रहने का अनुरोध किया है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया और प्रशासन को लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राहत, बचाव और निकासी के उपाय करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कठुआ के कई हिस्सों, जिनमें जोध खड्ड और जुथाना भी शामिल हैं, में भूस्खलन से हुई दुखद जनहानि और क्षति पर दुख व्यक्त किया है। इस भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली.....

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूईआर-2 दिल्ली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण परियोजना है। ये कॉरिडोर अलीपुर (एनएच-44) से शुरू होकर मुंडका, बक्करवाला, नजफगढ़ और द्वारका होते हुए महिपालपुर (एनएच-48) तक जाएगा। इसकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि अब सिंघू बॉर्डर से आईजीआई एयरपोर्ट तक का सफर, जो पहले दो घंटे लेता था, मात्र 40 मिनट में पूरा होगा। ये रोड इनर और आउटर रिंग रोड पर वाहनों का दबाव कम करेगा, जिससे मुकरबा चौक, मधुबन चौक, पीरागढी चौक और धौला कुआं जैसे व्यस्त चौराहों पर जाम की समस्या खत्म होगी।

यूईआर-2 दिल्ली-एनसीआर की कनेक्टिविटी को नए स्तर पर ले जाएगा। यह एनएच-44, एनएच-9 और एनएच-48 जैसे प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ेगा। इसके अलावा, यह सोनीपत और बहादुरगढ़ के औद्योगिक क्षेत्रों को लिंक रोड से जोड़ेगा, जिससे उद्योग और माल की आवाजाही को गति मिलेगी। इससे दिल्ली और एनसीआर में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि ये कॉरिडोर चंडीगढ़, पंजाब और जम्मू-कश्मीर की यात्रा को भी तेज और आसान बनाएगा। ये दिल्ली-जयपुर और दिल्ली-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ेगा, जिससे लंबी दूरी का सफर भी सुगम होगा। यातायात की सुगमता से ईंधन की खपत कम होगी, जिससे वायु प्रदूषण में कमी आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये प्रोजेक्ट दिल्ली को स्वच्छ और हरित बनाने में योगदान देगा।

एल्विश यादव के घर....

राम राम, राव इंद्रजीत यादव।'

एल्विश यादव के घर फायरिंग मामले में सेक्टर 56 थाना के SHO विनोद कुमार का बयान आया है। उन्होंने बताया कि एल्विश वारदात के वक्त घर में मौजूद नहीं थे। उनके पिता रामावतार की शिकायत पर मामला दर्ज कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। बाइक पर सवार तीन युवकों में से दो ने एल्विश के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। एल्विश के पिता ने कहा है कि हमारी किसी से कोई रंजिश नही है।

फायरिंग एल्विश यादव के घर के नीचे के फ्लोर पर हुई, जबकि वह खुद उस वक्त बाहर काम करने गए हुए थे। यूट्यूबर के पिता ने भी बताया कि जब हमला हुआ सभी घर में सो रहे थे। घर में उनके परिवार के सदस्य और एक केयरटेकर मौजूद थे जो सुरक्षित हैं। किसी को गोली नहीं लगी, लेकिन इस वारदात ने इलाके में दहशत फैला दी है।

पुलिस ने मौके से गोलियों के कई खाली खोखे बरामद किए हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

अखिलेश यादव का ....

संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषाद राज बोट योजना, सघन मत्स्य पालन एरिएशन योजना, मोपेड आइस बॉक्स योजना, मछुआ दुर्घटना बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना तथा ग्राम सभा तालाबों के पट्टे संबंधी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मत्स्य उत्पादन में प्रदेश लगातार प्रगति कर रहा है। जिले में सभी पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए तहसील स्तर पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे, ताकि ग्राम सभा के तालाबों का पट्टा समयबद्ध ढंग से आवंटित हो सकें। मंत्री जी ने यह भी उल्लेख किया कि पिछले वित्तीय वर्ष में गौतमबुद्धनगर जिले ने सौ प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने मछुआ समुदाय के लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में योजनाओं से जुड़ें और विशेषकर किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ अवश्य उठाएं।

शहीदों की पवित्र रज....

अध्यक्ष दिनेश भाटी एडवोकेट, महासचिव परमानंद कौशिक एडवोकेट और संस्था के जिलाध्यक्ष सचिन शर्मा एडवोकेट पंजाब के हुसैनीवाला स्थित शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव जी की समाधि स्थली की रज धूली लेकर दादरी शहीद स्तंभ पर पहुंचे थे। जिसमें संस्था द्वारा हजारों लोगों के साथ गाजियाबाद के लाल कुआं से दादरी तक 14 किलोमीटर की देशभक्ति संगीतमय पदयात्रा का आयोजन किया गया था। यात्रा के समापन अवसर पर संस्था के द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी का रज कलश नलगढ़ा और नोएडा सेक्टर 150 स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में विसर्जन के संकल्प के साथ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी व सचिव अजीत नागर को सौंपा गया था। इस अवसर पर बार एसोसिएशन की तरफ से संस्था को शहीदों के सम्मान और शहीद स्तंभों के जीणोद्धार की लड़ाई में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया था।

बड़ी संख्या में लोग बार अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा के परीचौक पर एकत्र होकर नलगढ़ा व नोएडा के सेक्टर 150 स्थित शहीद भगत सिंह पार्क पहुंचे थे। जहां उनके द्वारा शहीद भगत सिंह को नमन कर रज धूली का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर प्रमेंद्र भाटी ने कहा कि जय हो संस्था ने ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा निकालकर जिले के लाखों लोगों को शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था को जागृत करने की प्रेरणा देने का काम किया है।

इस अवसर पर उन्होंने ऐलान किया कि ग्रेटर नोएडा के डाबरा गांव निवासी सुरेश भाटी सेना में दुश्मनों से लड़ते हुए वीरगती को प्राप्त हो गए थे। लेकिन शासन प्रशासन की लापरवाही के चलते शहीद परिवार को आज तक भी कोई सम्मान नहीं मिला है। शहीद परिवार को उचित सम्मान दिलाने की लड़ाई को हर संभव स्तर तक उनके द्वारा लड़ा जाएगा। शहीदों के सम्मान में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

इस अवसर पर बार एसोसिएशन के सचिव अजीत नागर एडवोकेट, कर्नल सुधीर चौधरी, प्रमोद शर्मा एडवोकेट, कपिल शर्मा एडवोकेट, श्याम सिंह भाटी एडवोकेट, दिनेश भाटी एडवोकेट, नीरज भाटी एडवोकेट, डाक्टर कपिल चौधरी, अमित भाटी एडवोकेट, सचिन शर्मा एडवोकेट, दीपक शर्मा एडवोकेट, सुनील कश्यप, पवन भाटी एडवोकेट, सागर शर्मा एडवोकेट, मोहित भाटी एडवोकेट आदि लोग मौजूद थे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

रजत बिहार में धूमधाम से मनाई गई जन्माष्टमी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 स्थित रजत विहार सी ब्लॉक शिव शक्ति

मन्दिर में श्री कृष्ण जनमाष्टमी धूमधाम से मनाई गई।

पंडित पुजारी घनश्यम चतुर्वेदी ने बताया कि श्री कृष्ण जी की आरती की गयी। जन्म के बाद पंचाअमृत से जलाभिषेक किया, मंत्रों उच्चरणो के साथ पुष्पांजलि की गयी। मंडली द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें सभी भक्त सराबोर हुए। छोटें बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। अंत में प्रसाद वितरण कर आयोजन सफल हुआ। यह कार्यक्रम सेक्टरवासियों के सहयोग से किया गया।

श्री कृष्ण जनमाष्टमी के अवसर पर सेक्टर के बच्चे, बुजुर्ग एवं महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

जन्माष्टमी के पर्व पर सेक्टर-105 एचआईजी फ्लैट नोएडा में कृष्ण भगवान के बाल स्वरूप कान्हा का रूप धारण किए बालक दक्षेश।

पाकिस्तान में बाढ़ से 48 घंटों में 340 से ज्यादा मौतें

घर-सड़कें तबाह, 2 हजार बचावकर्मी तैनात

इस्लामाबाद, 17 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बाढ़ से पिछले 48 घंटों में 340 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुईं, जहां नदियों के उफान और घरों के ढहने से 307 लोगों की मौत हो गई।

तेज बारिश के कारण शुक्रवार को पाकिस्तान के विभिन्न जिलों में अचानक बाढ़ आ गई थी, जिसमें 200 से अधिक लोग मारे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि नौ जिलों में लगभग 2 हजार बचावकर्मी रेस्क्यू में लगे हुए हैं, लेकिन पहुंच अभी भी काफी सीमित है।

खैबर पख्तूनख्वा की बचाव एजेंसी के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने एएफपी को बताया- भारी बारिश से कई क्षेत्रों में लैंडस्लाइड हुई है, कई सड़कें बह गईं जिससे सहायता पहुंचाने में, विशेष रूप से भारी मशीनरी और एम्बुलेंस ले जाने में दिक्कत हो रही है।

यूक्रेन क्यों नहीं चाहता भारत खरीदे एफ-16 लड़ाकू विमान?

दिल्ली ने राफेल फाइटर जेट खरीदा तो खुश होंगे जेलेंस्की, रूस को झटका?

पेरिस/वॉशिंगटन, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने मल्टी रोल फाइटर जेट (एमआरएफए) प्रोग्राम को धीरे धीरे बढ़ाना शुरू कर दिया है। हालांकि अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ कहा नहीं गया है। लेकिन कई रिपोर्ट्स में चर्चाएं हैं कि भारत दो तरह से इस प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ सकता है। एक थ्योरी के मुताबिक 60 राफेल जेट और 60 पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू (सू-57 या एफ-35) खरीदा जा सकता है, ताकि चीन और पाकिस्तान के पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को काउंटर किया जा सके। वहीं दूसरी थ्योरी ये है कि भारत फ्रांस से सरकार-से-सरकार सौदे के तहत 114 राफेल-एफ4 लड़ाकू विमान ही खरीद ले।

अगर भारत 114 राफेल लड़ाकू विमान ही खरीदने के फैसले के साथ आगे बढ़ता है तो अरबों डॉलर के इस प्रोजेक्ट से कई दावेदार बाहर हो सकते हैं। जैसे स्वीडिश कंपनी एसएएबी का ग्रिपेन फाइटर जेट, बोइंग का एफ-15इएक्स, लॉकहीड मार्टिन का एफ-16 ब्लॉक 70 वैरिएंट

जिसे एफ-21 कहा जाता है, यूरोपीय यूरोफाइटर और रूसी एसयू-57 स्टील्थ फाइटर जेट। भारत अगर 114 राफेल खरीदता है तो फिर एमसीपी पूरा होने कोई और फाइटर जेट नहीं खरीदा जाएगा। माना जा रहा है कि राफेल पर ही भारत भरोसा करेगा, क्योंकि अब भारतीय वायुसेना में राफेल का इन्फ्रास्ट्रक्चर भी तैयार हो चुका है और भारतीय पायलट भी राफेल से पूरी तरह परिचित हो चुके हैं।

भारत के राफेल सौदे से यूक्रेन को कैसे होगा फायदा?

रिपोर्ट के मुताबिक अगर भारत राफेल फाइटर जेट खरीदने का फैसला करता तो यूक्रेन को काफी फायदा होगा, क्योंकि वो एफ-16 खरीदने की कोशिश कर रहा है। भारत-फ्रांस में अगर राफेल समझौता होता है तो दोनों देश मिलकर राफेल का प्रोडक्शन करेंगे और भारत में ही विमानों का प्रोडक्शन होगा।

राफेल बनाने वाली डसॉल्ट एविएशन ने भारत के टाटा ग्रुप के साथ प्रोडक्शन लाइन बनाने के लिए समझौता भी किया है। लेकिन अगर भारत एफ-16/एफ-21 को चुनता है, जिसकी संभावना न्यूनतम है तो भारत के बड़े ऑर्डर के सामने एफ-16 का प्रोडक्शन लाइन कई सालों तक व्यस्त रहेगा। जिसका असर यूक्रेन युद्ध पर होने की आशंका होगी। क्योंकि कई यूरोपीय देश लगातार अमेरिका से एफ-16 खरीदकर उसकी सप्लाई यूरोप को कर रहे हैं।

यूक्रेन के लिए राफेल लड़ाकू विमान खरीदना लगभग असंभव है। हर जेट की कीमत करीब 225 मिलियन यूरो है और डिलीवरी टाइमलाइन 9 साल तक खिंच सकती है। इसीलिए यूक्रेन को साब ग्रिपेन से काफी जल्द फाइटर जेट मिल सकते हैं। इसीलिए, ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेन की नजर भारत के फैसले पर है। यूक्रेन चाहता है कि भारत राफेल खरीदे ताकि एफ-16 या साब ग्रिपेन लड़ाकू विमान उसे जल्द हासिल हो सके।

अगर भारत साब ग्रिपेन खरीदता है तो फिर यूक्रेन मुसीबत में फंस जाएगा और वो ना राफेल खरीद सकता है और ना ही साब ग्रिपेन उसे कम से कम 9 सालों तक नये विमान बनाकर दे सकता है।

चीन का सबसे बड़ा हवाई अड्डा बना 'सफेद हाथी'

यात्रियों का पड़ा अकाल, पायलट ने बताई हकीकत

बीजिंग, 17 अगस्त (एजेंसियां)। चीन की राजधानी बीजिंग के डैक्सिंग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दुनिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट टर्मिनल के रूप में जाना जाता है। 18 अरब डॉलर की लागत से तैयार इस एयरपोर्ट को साल 2019 में यात्रियों के लिए खोला गया था। इस एयरपोर्ट को 2040 तक 10 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को सेवा देने के लिए डिजायन किया गया है, लेकिन हाल ही में एक कमर्शियल पायलट और ट्रैवल ब्लॉगर स्टीफन ड्यूरी ने जब इस विशाल हवाई अड्डे के टर्मिनल का निरीक्षण किया तो वह दंग रह गए। स्टीफन पहले भी इस हवाई अड्डे पर आ चुके हैं, उन्होंने पाया कि दुनिया का सबसे बड़ा हवाई टर्मिनल यात्रियों की कमी से जूझ रहा है। बीजिंग के लोगों के लिए आज भी यह प्रमुख हवाई अड्डा नहीं है। इसके बजाय वे बीजिंग कैपिटल हवाई अड्डे को पसंद करते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट एक्सप्रेस ट्रेन भी चलाई गई है, जिसने हवाई अड्डे तक यात्रा का समय घटाकर 19 मिनट कर दिया है, लेकिन डेजिंग अभी भी शांत है। 2679 हेक्टेयर में फैले इस विशाल हवाई अड्डे में चार कमर्शियल रनवे और एक समर्पित सैन्य पट्टी है। इसके अनोखे डिजाइन के कारण इसे स्टारफिश नाम से भी बुलाया जाता है। स्टीफन ने इस हवाई अड्डे का वीडियो बनाया जिसमें उन्होंने कहा कि इसकी सुरक्षा कम से कम कहने के लिए, बहुत कड़ी है। टैक्सी क्षेत्र में सुरक्षा गार्ड तैनात हैं। हवाई अड्डे में प्रवेश करने के लिए सुरक्षा जांच होती है। यह एक अत्यधिक संरक्षित और बेहत सुरक्षित वातावरण है, जो विमानन के लिए बहुत अच्छा है।

जब स्टीफन ड्यूरी टर्मिनल के अंदर दाखिल हुए तो उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से बेहद कम यात्रियों को देखा, जिसने उन्हें हैरान कर दिया। इस हवाई अड्डे को सालाना 10 करोड़ यात्रियों को संभालने के लिए डिजाइन किया गया था, जो इसे दुनिया का सबसे व्यस्त टर्मिनल बना देगा।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में नूर खान से सरगोधा तक मचाई थी तबाही

मारे गए थे 13 पाकिस्तानी सैनिक, मुनीर ने मेडल देकर माना सच

इस्लामाबाद, 17 अगस्त (एजेंसियां)। इस साल 7-10 मई तक भारत और पाकिस्तान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष देखने को मिला था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब के तौर पर भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च करते हुए पाकिस्तान के पंजाब और पीओके में हवाई हमले किए।

इसके बाद पाकिस्तान ने भी सैन्य कार्रवाई की और चार दिन तक दोनों देश युद्ध जैसी स्थिति में रहे। इसके बाद 10 मई को दोनों देश सीजफायर पर राजी हुए। इस घटनाक्रम के तीन महीने तक पाकिस्तान ने अपने सैनिकों की मौतों को छुपाने की कोशिश की लेकिन अब इसकी सच्चाई सामने आ गई है।

पाकिस्तान की सरकार और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 9-10 मई को हुए भारत के सैन्य हमले में भारी नुकसान होने की बात मानी है। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने 13 सैन्यकर्मियों सहित 50 से ज्यादा

मौतों की बात स्वीकार की है। पाकिस्तान ने स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ के भारत के भोलारी एयरबेस पर हमले में मारे जाने की बात मानी है। नूर खान, सरगोधा, जैकबाबाद और शेरकोट बेस पर भारत के हमलों में मौतें पाक सेना ने स्वीकारी है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नूर खान एयरबेस पर अमेरिकी तकनीशियन घायल हुए थे। यह जानकारी पाकिस्तान के राष्ट्रपति भवन में आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह के दौरान सामने आई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मरने वाले सैन्य कर्मियों को राष्ट्रपति भवन में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मरणोपरांत पुरस्कार दिए हैं।

पाकिस्तान में मरणोपरांत तमगा-ए-बसालत से सम्मानित किए गए कर्मियों में स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ, हवलदार मुहम्मद नवीद, नायक वकार खालिद और लांस नायक दिलावर खान शामिल हैं। तमगा-ए-जुरात पाने वालों में नायक अब्दुल रहमान, लांस नायक इकरामुल्लाह और सिपाही अदील अकबर शामिल हैं।

नुकसान के बाद की सीजफायर की मांग

पाकिस्तान में फौजियों की मौत की बात सामने आने से पता चलता है कि भारत के हमलों ने वहां किस स्तर पर नुकसान किया। इसी से पाकिस्तान चार दिन बाद ही सीजफायर की बात कहने लगा था, जिसे भारत ने मान भी लिया था।

इसके बाद 10 मई को हमले रोक दिए गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की शुरुआत 22 अप्रैल को हुई, जब जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकवादी शिविरों पर बमबारी की। इसमें आतंकियों को निशाना बनाया गया।

यूक्रेन-यूरोप की भागीदारी, रूस पर दबाव

डोनाल्ड ट्रंप से बात होते ही जेलेंस्की ने दिखाए तेवर, कर दिया बड़ा ऐलान

कीव, 17 अगस्त (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में लगे हैं। जेलेंस्की ने डोनाल्ड ट्रंप के बाद यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत की है। इस बातचीत के बाद उन्होंने सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि ट्रंप के बाद हमने यूरोपीय नेताओं के साथ अपनी स्थिति पर समन्वय किया। यूक्रेन की स्थिति स्पष्ट है कि हमें एक वास्तविक शांति स्थापित चाहिए, जो स्थायी हो।

जेलेंस्की ने शनिवार को ट्वीट करते हुए लिखा, 'हम चाहते हैं कि हत्याएं जल्द बंद हों युद्ध के मैदान और हवाई हमलों के साथ ही हमारे बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे पर भी गोलीबारी बंद होनी चाहिए। सभी यूक्रेनी युद्धबंदियों और नागरिकों को रिहा किया जाना चाहिए और रूस हमारे अपहृत बच्चों को वापस करे। जब तक आक्रमण और कब्जा जारी है, रूस पर दबाव बनाए रखा

जाना चाहिए।'

रूस पर कड़े हों प्रतिबंध

जेलेंस्की ने आगे कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी बातचीत में मैंने कहा कि अगर त्रिपक्षीय बैठक नहीं होती है। या फिर रूस युद्ध रोकने से बचने की कोशिश करता है तो प्रतिबंधों को कड़ा किया जाना चाहिए। प्रतिबंध एक प्रभावी साधन हैं। यूरोप और अमेरिका दोनों की भागीदारी के साथ, सुरक्षा की विश्वसनीय और दीर्घकालिक गारंटी होनी चाहिए।'

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण सभी मुद्दों पर हमारी भागीदारी के साथ चर्चा की जानी चाहिए। विशेष रूप से क्षेत्रीय मुद्दे यूक्रेन के बिना तय नहीं किए जा सकते। उन्होंने ये भी कहा कि यूरोपीय नेताओं का बयान हमारी स्थिति को मजबूत करता है। हम सभी सहयोगियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

ट्रंप से बैठक करेंगे जेलेंस्की

वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया है कि वह अगले सप्ताह वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अलास्का में पुतिन और ट्रंप के बीच मुलाकात के बाद शनिवार को उन्होंने ट्रंप के साथ लंबी और सार्थक बातचीत की। उन्होंने सोमवार को व्यक्तिगत रूप से मिलने के निमंत्रण के लिए ट्रंप का आभार व्यक्त किया।

जेलेंस्की ने यूक्रेन युद्ध पर बातचीत में यूरोप को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि अमेरिका के साथ मिलकर विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय नेता हर स्तर पर शामिल हों। हमने यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अमेरिकी पक्ष की भागीदारी पर भी चर्चा की है।

चीन में लॉन्च हुई पाकिस्तान नौसेना की तीसरी हैंगोर-क्लास किलर पनडुब्बी

एआईपी तकनीक से लैस, भारतीय नौसेना से आगे निकली?

बीजिंग/इस्लामाबाद, 17 अगस्त (एजेंसियां)। चीन में पाकिस्तान नौसेना के लिए बनाई गई हैंगोर क्लास की पनडुब्बी को लॉन्च कर दिया गया है।

पाकिस्तानी नौसेना ने बताया है कि 15 अगस्त को चीन के वुहान शहर में तीसरी हैंगोर-क्लास पनडुब्बी पीएनएस/एम मंग्रो को लॉन्च किया गया है।

इस पनडुब्बी को चीन की वुचांग शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री ग्रुप कंपनी लिमिटेड ने शुआंगलियु बेस पर बनाया है। इस मौके पर पाकिस्तान नौसेना के डिप्टी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ (प्रोजेक्ट-2) वाइस एडमिरल अब्दुल समद मुख्य अतिथि थे। समारोह में पाकिस्तान और चीन दोनों देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और रक्षा उद्योग के प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

इस दौरान पाकिस्तान नौसेना के वाइस एडमिरल मोहम्मद समद ने मौजूदा जियो-पॉलिटिकल हालाक में समुद्री सुरक्षा की अहमियत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान नौसेना अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और क्षेत्र में स्थिरता और सहयोगी वातावरण सुनिश्चित करने के लिए कोशिश करती रहेगी। चीन ने दावा किया है कि हैंगोर-क्लास पनडुब्बियों की आधुनिक हथियार प्रणाली और अत्याधुनिक सेंसर क्षमताएं क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने में कारगर साबित होंगी।

मथुरा के इस्कान मंदिर में विदेशी श्रद्धालु ने किया डांस

जन्मस्थान के बाहर भारी भीड़, मंदिर के गर्भगृह को जेल जैसा सजाया

मथुरा, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम है। जन्मस्थान के बाहर भारी भीड़ लगी है। देशभर से लोग यहां आए हैं। वहीं, वृंदावन में 10 लाख से ज्यादा भक्त पहुंचे हैं। यहां के इस्कान मंदिर में काफी भीड़ है। बड़ी संख्या में विदेशी श्रद्धालु भी पहुंचे हैं। कई विदेशी श्रद्धालु कृष्ण भक्ति में लीन होकर डांस कर रहे हैं।

इससे पहले सुबह 5.30 बजे शहनाई और नगाड़ों की ध्वनि के बीच ठाकुरजी की मंगला आरती हुई। फिर पंचामृत से अभिषेक किया गया। सुबह 9 बजे मंदिर के भागवत भवन में पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ। इसके बाद ठाकुरजी के दर्शन शुरू हो गए।

सीएम योगी मथुरा पहुंचे। उन्होंने कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में

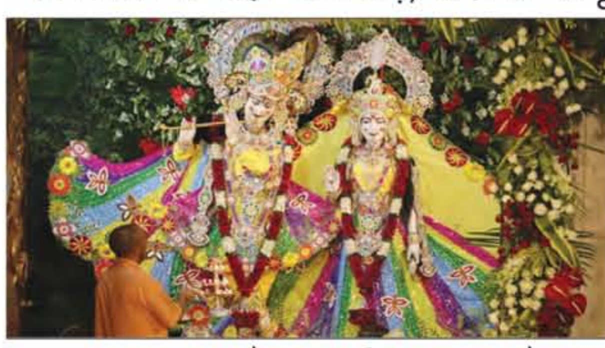

पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने कान्हा बने बच्चों को गोद में लेकर दुलारा और खीर खिलाई। उन्हें तिलक लगाया और मोती की माला पहनाई। बच्चों को खिलौने भी दिए।

सीएम ने कहा- पौराणिक विरासत को बचाने के लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। दुष्प्रवृत्तियां देश को कमजोर करना चाहती हैं। जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटना चाहती हैं। हमें संरक्षण के लिए अपने आप को समर्पित करना होगा। वे 2.30 घंटे तक रहेंगे। यह 8 सालों में उनका 38वां दौरा है। इधर, गर्भगृह को कारागार की तरह सजाया गया है। इसमें 221 किलो चांदी लगाई गई है। इसके अलावा, श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर को 'ऑपरेशन सिंदूर' की थीम पर सजाया गया है। जिस फूल बंगले में ठाकुरजी विराजेंगे, उसे सिंदूरी रंग के फूलों से सजाया गया है। ये फूल कोलकाता और बेंगलुरु से मंगाए गए हैं। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर से मथुरा में श्रीकृष्ण ठाकुरजी के लिए उपहार भेजे गए हैं। इनमें टॉफी, चॉकलेट और लड्डू शामिल हैं।

कोयल नदी में डूबने से दो भाइयों की मौत

दो दिन पूर्व नहाने के दौरान डूबे थे दोनों, एक का शव घटनास्थल से दो किलोमीटर दूर मिला

पलामू, 17 अगस्त (एजेंसियां)। पलामू के मेदिनीनगर में कोयल नदी में नहाने के दौरान डूबे दो किशोरों के शव मिल गए हैं। गुरुवार को नदी में डूबे 14 वर्षीय आमिर हासमी का शव शनिवार सुबह 8 बजे चैनपुर थाना क्षेत्र के कोल्हुआ से बरामद किया गया। जबकि सैफ की लाश शुक्रवार को ही मिल गई थी।

घटना गुरुवार की है, जब पहाड़ी मुहल्ला चनवारी घाट के पास ममेरे-फुफेरे भाई सैफ और आमिर परिजनों के साथ नहा रहे थे। दोनों अचानक डूबकर लापता हो गए। प्रशासन और परिजन दोनों की तलाश में जुटे थे।

शुक्रवार सुबह बीएन कॉलेज के पास कोयल नदी से सैफ का शव मिला। इसके बाद दूसरे बच्चे की तलाश के लिए पटना से गोताखोर बुलाए गए। घटनास्थल से करीब 2 किलोमीटर दूर कोल्हुआ गांव के लोगों ने नदी में एक शव देखा। स्थानीय युवाओं और परिजनों ने पहुंचकर आमिर के शव की पहचान की। आमिर कुंड मुहल्ला टिलापर निवासी पप्पू हासमी का पुत्र था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच ले जाया गया है। इस तरह 48 घंटे के भीतर दोनों किशोरों के शव बरामद कर लिए गए।

बांग्लादेश में सद्भाव कमजोर नहीं होना चाहिए

कट्टरपंथ को बढ़ावा दे रहे मोहम्मद युनुस ने जन्माष्टमी पर दिया बड़ा बयान

ढाका, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा ना दे पाने और कट्टरपंथ बढ़ाने के लिए आलोचना का सामना कर रहे मोहम्मद यूनुस ने हिंदू समुदाय को जन्माष्टमी की बधाई दी है। देश की अंतरिम सरकार के हेड यूनुस ने शनिवार को जन्माष्टमी के अवसर पर अपने बयान में कहा कि वह भगवान श्रीकृष्ण के आपसी सद्भाव और भाईचारे के संदेश को आगे बढ़ाने पर काम करेंगे।

उन्होंने ये भी कहा कि उनकी सरकार कानून व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश में भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव को काफी बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य में बांग्लादेश में सार्वजनिक अवकाश रहता है।

मोहम्मद यूनुस ने बीते साल अगस्त में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद अंतरिम सरकार की कमान संभाली थी। उनके सत्ता में आने के बाद बांग्लादेश में सेक्युलर आवाजों और अल्पसंख्यक हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया गया है।

मंदिरों पर हमलों की कई घटनाएं भी यूनुस सरकार में हुई हैं। इन घटनाओं को लेकर ना सिर्फ बांग्लादेश बल्कि भारत और दुनिया के कई हिस्सों से चिंता जाहिर की गई है। इस बीच मोहम्मद यूनुस का ये बयान आया है।

यूनुस ने अपने एक संदेश में

कहा, 'सृष्टिकर्ता के प्रति समर्पण और समाज में शांति की स्थापना पर केंद्रित भगवान कृष्ण के मूल्य सभी धर्मों के लोगों को प्रेरित करते रहते हैं।

मैं सभी से आह्वान करता हूं ताकि कोई भी समाज में मौजूदा व्यवस्था, भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द को कमजोर करने की कोशिश ना करे।

मेरा मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्श और शिक्षाएं आपसी भाईचारे को और मजबूत करेंगी।'

यूनुस ने आगे कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव बांग्लादेश की संस्कृति की एक अद्वितीय पहचान रही है।

यहां के लोग सदियों से अपने-अपने धर्मों का पालन करते हुए मजबूत सौहार्द की भावना को बनाए रखे हुए हैं। उनकी अंतरिम सरकार सद्भाव के इस अटूट बंधन को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।'

मुस्लिमों को बेइज्जत करने का प्लान

बेंजामिन नेतन्याहू के 'ग्रेटर इजरायल' विजन पर भड़के हूती, दी सीधी धमकी

सना, 17 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के 'ग्रेटर इजरायल' के विचार से जुड़े होने की बात कहने पर अरब दुनिया में गुस्सा बढ़ रहा है। कई अरब देशों के बाद यमन के हूतियों ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। यमन के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले हूतियों ने कहा है कि नेतन्याहू का प्लान मुस्लिमों को बांटने और बेइज्जत करने की कोशिश है। ऐसे में वह नेतन्याहू के इस बयान की कड़ी निंदा करते हैं। इस प्लान पर आगे बढ़ने की स्थिति में इसके बुरे नतीजे होने की चेतावनी भी हूती नेता ने दी है।

यमन के अंसारुल्लाह नेता अब्दुल मलिक अल हूती ने अपने टीवी संबोधन में कहा कि अमेरिका और इजरायल की ओर

से 'ग्रेटर इजरायल' योजना के प्रचार का स्पष्ट उद्देश्य इस्लामी उम्माह (मुस्लिम वर्ल्ड) को विभाजित और अपमानित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू के बयान पर अरब नेता ने मजबूती से इसका जवाब नहीं दिया। अरब की यह निष्क्रियता चिंताजनक है।

इजरायल के अत्याचारों पर दुनिया चुप

अब्दुल मलिक ने गाजा पट्टी में हमलों के लिए इजरायली सेना और सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि इजरायली सेना गाजा में पत्रकारों की हत्या कर रही है ताकि सच्चाई को वैश्विक जनमत तक पहुंचने से रोका जा सके। गाजा में जो हो रहा है, वह दुनिया के किसी दूसरे हिस्से में हुए अपराधों से कहीं ज्यादा भयावह है लेकिन दुनिया इस पर चुप्पी साधे बैठी है।

हूती नेता ने कहा कि इजरायल का अंतिम और स्पष्ट लक्ष्य मुसलमानों को मारना, उनको बड़ी संख्या को पलायन के लिए मजबूर करना और मुस्लिमों पर अपना दबदबा बनाना है। फिलिस्तीन समेत कई देशों में बमबारी के बाद अब ग्रेटर इजरायल की बात की जा रही है। साफ है कि अमेरिका और इजरायल पूरी अरब दुनिया में अपना दबदबा चाहते हैं।

कोर्ट ने बहू को चेताया, सास को परेशान मत करो, घर पर लगा ताला खोलकर दो

इंदौर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जिला कोर्ट ने एक पारिवारिक विवाद की सुनवाई में अहम फैसला सुनाते हुए बहू को आदेश दिया है कि वह तीन दिन के भीतर मुचलका भरे। कोर्ट ने साफ किया कि बहू अपनी सास के साथ किसी भी तरह की घरेलू हिंसा नहीं करेगी और न ही उन्हें किसी भी रूप में परेशान करेगी। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया कि बहू न तो सास से स्वयं संपर्क करेगी और न ही अपनी ओर से किसी को भेजकर संपर्क करवाएगी। इसके साथ ही कोर्ट ने बहू को घर पर लगाए गए ताले को तुरंत खोलने का निर्देश भी दिया। यह मामला खजराना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला से जुड़ा है। महिला के बेटे ने महू निवासी युवती से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद बेटा ससुराल में ही रहने लगा, जिससे नाराज होकर महिला ने वर्ष 2022 में बेटे और बहू से संबंध तोड़ लिए थे। कुछ समय बाद बेटे और बहू के बीच विवाद गहराया और बेटा ससुराल छोड़कर अलग हो गया। वर्तमान में दोनों के बीच तलाक का मामला न्यायालय में लंबित है। बेटे के अलग होने के बाद से ही बहू ने महिला को परेशान करना शुरू कर दिया था। महिला के मुताबिक, बहू बार-बार उसके घर आकर विवाद करने लगी। परेशान होकर महिला ने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। हालात बिगड़ने पर महिला ने जिला न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान भी बहू महिला के घर पहुंची और झगड़ा करने लगी। यही नहीं, उसने जबरन सास को घर से बाहर निकालकर ताला जड़ दिया।

कोर्ट ने दिए कड़े निर्देश

महिला ने पुलिस को दोबारा शिकायत दी, मगर इस बार भी कार्रवाई नहीं हुई। मजबूर होकर महिला ने पिछले दरवाजे से घर में प्रवेश किया और अदालत में बहू द्वारा दी जा रही प्रताड़ना का पूरा ब्योरा पेश किया। जिला न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सख्त रुख अपनाया और बहू को चेतावनी देते हुए मुचलका भरने का आदेश दिया। साथ ही स्पष्ट किया कि अगर बहू ने आदेश का उल्लंघन किया तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

नाले में बह गईं मां और 10 साल की बेटी

शिमला, 17 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में आफत की बारिश जारी है। जिला शिमला में जुन्गा के दरभोग में गोभी की फसल को बंदरों से बचाने के लिए गई मां बेटी की नाले में बहने से मौत हो गई। दरभोग में खेतों में जाने के लिए उन्हें नाला को पार करना था। बरसात के चलते नाले में बहुत ज्यादा पानी होने के कारण मां-बेटी दोनों ही एक साथ बह गई। 40 वर्षीय लीला देवी और 10 साल की शीतल की दर्दनाक मौत हो गई। मां ने बेटी को बचाने के लिए अपनी पीठ पर बांध रखा था। नाले में पानी का बहाव ज्यादा होने के कारण दोनों एक साथ ही बह गई। इससे दोनों की मौत हो गई। स्वजनों को शाम के समय ही इसकी जानकारी लगी। खेत से लगभग दो किलोमीटर दूरी पर मां व बेटी के शव स्वजन को मिले।

19 साल बाद उफान पर रूपा नदी, वाहन-दुकानें बहीं, घरों में पानी; सुरक्षित जगह भेजे जा रहे लोग

बडवानी, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मप्र के बड़वानी जिले में सुबह से हो रही लगातार बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। बारिश से राजपुर में रूपा नदी 19 साल बाद उफान पर आ गई। नदी के तेज बहाव में वाहन और दुकानें बह गईं, जबकि चार घरों में पानी भर गया। हालात बिगड़ते देख प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि 2006 के बाद नदी ने इतना रौद्र रूप दिखाया है। ग्रामीण रमेश सोलंकी ने बताया कि सुबह से ही नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा था। इस दौरान कई लोगों की गाड़ियां और दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। नगर पालिका उपाध्यक्ष आकाश बर्मन की चार पहिया गाड़ी भी तेज धारा में बह गई। अब तक दो वाहनों के बहने की पुष्टि हुई है, जबकि चार वाहनों तक बहने की आशंका जताई जा रही है। पान की गुमठियां, छोटी दुकानें और खड़े वाहन नदी के तेज बहाव में समा गए। लोगों का कहना है कि लाखों रुपए का नुकसान हो चुका है। राजपुर नगर के कई घरों और दुकानों में पानी घुस गया है, जिससे स्थानीय लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

जिला प्रशासन ने नदी किनारे बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पहले ही एसएमएस अलर्ट जारी कर भारी बारिश की चेतावनी दी गई थी। अब प्रशासन की टीम हालात पर लगातार नजर रखे हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है। राजपुर में इस समय रूपा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच चुका है। इसके चलते आसपास के इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने कहा है कि सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की प्रक्रिया जारी है।

15 दिन बाद जाना था लंदन, छात्रा ने 23वीं मंजिल से छलांग लगाकर दी जान

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के गोरेगांव (पूर्व) के आरे कॉलोनी में 17 साल की एक जूनियर कॉलेज छात्रा ने गुरुवार को एक हाईराइज इमारत की 23वीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर खुदकुशी कर ली। बताया जाता है कि छात्रा ने बेडरूम की खिड़की से छलांग लगाई थी। आरे पुलिस के मुताबिक, मृतका एक बड़े रियल एस्टेट डिवेलपर की इकलौती संतान थी, जो अवसाद में आकर यह कदम उठाया। हालांकि, मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन प्राथमिक जांच में सामने आया है कि वह दो साल से अवसाद से जूझ रही थी और उसका इलाज भी चल रहा था। जानकारी के अनुसार वह 15 दिन बाद लंदन जाने वाली थी, जहां उसे आगे की पढ़ाई के लिए एक कॉलेज में दाखिला मिला था। घटना के समय वह 23वीं मंजिल पर स्थित फ्लैट के अपने बेडरूम में पढ़ाई कर रही थी। उसकी मां रसोई में थी जबकि दादा-दादी दूसरे कमरे में थे। उसके पिता काम के लिए बाहर थे जब उसने यह चरम कदम उठाया। इस घटना को इमारत के रिसेप्शनिस्ट ने देखा, जिसने उसे पोडियम स्तर पर गिरते हुए देखा। मृतका माता-पिता के अनुसार, घटना के पीछे अवसाद ही मुख्य वजह है। आरे पुलिस छात्रा के माता-पिता, उसकी दोस्त, स्कूल और उसका इलाज करने वाले डॉक्टर का बयान दर्ज करने में जुटी है। पुलिस को मृतका के माता-पिता से पता चला कि वह यूके में अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती थी। इसलिए वे लोग पिछले महीने लंदन भी गए थे। बहरहाल, आरे पुलिस एडीआर दर्ज कर केस की जांच कर रही है।

नाबालिग बॉयफ्रेंड को भगा ले गई थी गर्लफ्रेंड

दो महीने बाद बालिग हुआ तो वापस घर लौटे दोनों

भोपाल, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक नाबालिग और एक महिला की अनोखी प्रेम कहानी चर्चाओं में है। यहां एक 28 वर्षीय महिला को अपने से 11 साल छोटे नाबालिग लड़के से प्रेम हो गया। फिर महिला उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गई। नाबालिग लड़के के परिवार वालों ने महिला पर अपहरण का केस दर्ज करवाया।

पुलिस ने भी जगह-जगह दोनों की तलाश की। अब दो महीने बाद नाबालिग बालिग होकर घर लौट आया है। खास बात तो ये है कि महिला ने भी उसके घर पर डेरा डाल लिया है। दरअसल, नारियलखेड़ा निवासी किशोर एक सुनार की दुकान पर काम करता था। उसी दुकान में द्वारिका नगर की रहने वाली महिला कंप्यूटर ऑपरेटर थी। साथ काम करते-करते दोनों में नजदीकियां बढ़ीं। इसके बाद दोनों को एक दूसरे से प्रेम हो गया।

30 जून की रात किशोर ने अपनी मां से कहा कि वह माधवी (बदला हुआ नाम) के घर जा रहा है। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। परिजन जब किशोर से संपर्क नहीं कर सके तो उन्होंने पुलिस में उसके अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। फिर पुलिस ने महिला को भी ट्रेस करने की कोशिश की, लेकिन वह भी लापता थी। तीन अगस्त को किशोर बालिग हो गया और रक्षाबंधन पर अपने घर लौट आया। उसने पुलिस को बताया कि वह महिला के साथ अपनी मर्जी से इंदौर में रह रहा था। इसके दो दिन बाद महिला भी किशोर के घर पहुंच गई और वहीं रहने लगी। महिला ने लड़के के घर वालों से कहा कि मैं किशोर से प्यार करती हूं और हम साथ ही रहेंगे। मैं किशोर से शादी तीन साल बाद करूंगी, जब सब ठीक होगा। महिला पर किशोर के अपहरण का केस दर्ज है, लेकिन अब जब किशोर बालिग है, तो कानूनी कार्रवाई सीमित हो गई है। थाना प्रभारी का कहना है कि किशोर मेडिकल जांच के लिए तैयार नहीं है और मां ने भी महिला को घर में रहने देने की बात कही है।

बोली- ये बहू तो बनेगी हमारी। मगर 3 साल बाद। हालांकि, हाल ही में किशोर की बहन से मारपीट के मामले में महिला को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

पैदल मार्ग पर पहाड़ी से गिरे भारी पत्थर, चपेट में आने से महाराष्ट्र के यात्री की मौत

रुद्रप्रयाग, 17 अगस्त (एजेंसियां)। केदारनाथ यात्रा पैदल मार्ग पर पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक यात्री की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार गौरीकुंड से करीब एक किमी. ऊपर केदारनाथ यात्रा मार्ग में छौड़ी गधेरे के पास एक यात्री की पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर मृत यात्री को तत्काल जिला प्रशासन की यात्रा मैनेजमेंट फोर्स एवं पुलिस द्वारा गौरीकुंड अस्पताल लाया गया है। मृतक की पहचान परमेश्वर भीम राव खावाल (38) पुत्र भीम राव खावाल निवासीऔरंगाबाद महाराष्ट्र के रूप में हुई है।गढ़वाल और उत्तरकाशी में बाढ़ का खतरा होन की आशंका व्यक्त की गई है। इसके बाद राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजते हुए लोगों का सचेत करने और सभी सावधानियां बरतने को कहा है।

जेल से रिहा हुए 17 कैदी

हत्या की सजा काट रहे 4 सगे भाई भी शामिल

सतना, 17 अगस्त (एजेंसियां)। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सतना की केंद्रीय जेल से 17 बंदियों को रिहा कर दिया गया है। राज्य शासन द्वारा दी गई विशेष माफी (परिहार) का लाभ पाकर ये कैदी समय से पहले अपने घर लौट गए है। इस रिहाई की सबसे खास बात यह रही कि इनमें हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा काट रहे चार सगे भाई भी शामिल थे, जो एक साथ जेल से बाहर आए हैं। वहीं, दो कैदी जेल में अपनी मेहनत से लखपति बनकर निकले हैं।

जेल प्रशासन के अनुसार रिहा किए गए कैदियों में सतना के 4, मैहर का 1, छतरपुर के 10, पन्ना का 1 और सीहोर का 1 बंदी शामिल हैं। इनमें से तीन बंदी खुली जेल के थे। रिहाई का सबसे भावुक क्षण तब देखने को मिला है, जब छतरपुर जिले के छुलहा पुरवा गांव निवासी चार सगे भाई कृपाल यादव, भागवत यादव, गोपाल यादव और राजू यादव एक साथ जेल के दरवाजे से बाहर निकले हैं।

इन चारों भाइयों को साल 2010 में पड़ोसी गांव के लोधी परिवार से हुए जमीनी विवाद में तीन लोगों की हत्या करने के मामले में 2012 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। पिछले 13 वर्षों से वे सतना जेल में अपनी सजा काट रहे थे। जेल में अच्छे आचरण के चलते उन्हें स्वतंत्रता दिवस पर रिहाई का तोहफा मिला है।

दामाद नहीं पूछ रहा था पत्नी का हालचाल

ससुराल वालों ने बातचीत के बीच पोल से बांधा, पुलिस ने छुड़ाया

भुवनेश्वर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के गजपति में एक युवक अपनी पत्नी से बात नहीं कर रहा था। ऐसे में ससुराल के लोगों उसे पोल से बांध दिया और मामले का समाधान करने के लिए बातचीत करने लगे। पुलिस को जब मामले की जानकारी मिली तो युवक को आजाद कराया गया। मामला अडवा थाना क्षेत्र के गरडमा गांव का है। यहां एक युवक को उसके ससुराल वालों ने सिर्फ इसीलिए एक इलेक्ट्रिक पोल से बांधकर रखा ताकि वह पारिवारिक चर्चा के बीच में कहीं भाग न जाए। यह घटना गुरुवार को तब हुई जब युवक गरडमा गांव राशन लेने आया था। जानकारी के अनुसार गरडमा गांव की महिला सुभद्रा मालबिसोई ने करीब तीन साल पहले ब्राह्मणिगांव थाना क्षेत्र के बुडिशिल गांव निवासी जलंत बलियार सिंह से शादी की थी। शादी के बाद पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद बढ़ता गया। तकरीबन एक साल पहले सुभद्रा को उसके मायके वाले अपने साथ वापस ले आए। इस पूरे मामले में मामला न्यायालय में लंबित है। जलंत जब अपने गांव बुडिशिल से गरडमा गांव राशन चावल लेने आया, तो सुभद्रा के परिजनों ने उसे देख लिया। पहले तो उसे बातचीत के बहाने बुलाया गया, फिर जब मासिक खर्च को लेकर सवाल-जवाब शुरू हुए तो माहौल गरम हो गया। सुभद्रा और उसके परिवार का आरोप था कि जलंत न तो पत्नी की आर्थिक जरूरतों का ख्याल रखता है, न यह पूछता है कि वह क्या खा रही है, क्या पहन रही है, या कैसे गुजारा कर रही है। चर्चा के दौरान यह तय किया गया कि जब तक बातचीत पूरी नहीं होती, जलंत को कहीं जाने नहीं दिया जाएगा।

इसी कारण उसे घर के बाहर एक बिजली के खंभे से बांध दिया गया। यह दृश्य गांव में मौजूद कई लोगों ने देखा, और कुछ लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया। घटना की सूचना किसी माध्यम से अडवा पुलिस तक पहुंची। पुलिस तत्काल गांव पहुंची और ससुराल पक्ष के लोगों को समझाकर युवक को मुक्त कराया।

लापता जिला पंचायत सदस्यों का आया वीडियो क्या अगवा किया गया था? दिया ये जवाब

नैनीताल, 17 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पहाड़ी शहर नैनीताल में जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में कथित तौर पर कांग्रेस समर्थित पांच निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों के लापता मामले में नया मोड़ आ गया है। पांच जिला पंचायत सदस्यों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जिसमें उन्होंने माना है कि उनका अपहरण नहीं हुआ है, वह खुद अपनी मर्जी से गए हैं। वीडियो आने के बाद सोशल मीडिया पर भाजपा और कांग्रेस के बीच जंग छिड़ चुकी है। दरअसल बीते 14 अगस्त को नैनीताल में जिला पंचायत सदस्यों को मतदान स्थल के बाहर से अगवा करने के बाद उत्तराखंड की राजनीति में भूचाल आ गया। जिसको लेकर पूरे मामले पर 15 अगस्त को नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में कांग्रेस ने एकजुट होकर हल्द्वानी एसएसपी कार्यालय में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि भाजपा के इशारे पर अपहरण किया गया हैं। एसपी सिटी के आश्वासन के बाद धरना प्रदर्शन को समाप्त किया गया। लापता पांचों सदस्यों का रात में वीडियो सामने आने के बाद पंचायत चुनाव में नया मोड़ आ गया है। फिलहाल सोमवार को नैनीताल हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होनी है। इसके बाद ही सारी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

हादसे का लाइव वीडियो आया सामने, कई परिवारों का अता-पता नहीं, अभी भी तलाश जारी

किश्तवाड़, 17 अगस्त (एजेंसियां)। किश्तवाड़ के चिशोती गांव में बादल फटने और भूस्खलन से भारी तबाही मची, जिसमें 60 लोगों की मौत और 120 से अधिक घायल हुए हैं। सामने आया वीडियो तबाही की भयावह तस्वीरें दिखा रहा है, जबकि राहत और बचाव कार्य अब भी जारी है। मृतकों में ज्यादातर मचैल माता के तीर्थयात्री बताए जा रहे हैं। मलबे में अब भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। मौसम खराब होने से बचाव कार्य में बाधा आ रही है। चिशौती प्रसिद्ध मचैल माता तीर्थयात्रा मार्ग का पड़ाव स्थल है। 25 जुलाई से चल रही मचैल माता यात्रा भी रोक दी गई है।

यात्री जहां पर हैं, वहीं पर उन्हें रुकने को कहा गया है। पीएम नरेंद्र मोदी, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस आपदा पर गहरा दुख जताया और पीड़ितों की हर संभव सहायता का भरोसा दिया।

वीरवार दोपहर 12 बजे से 1 बजे के बीच मचैल माता मंदिर यात्रा के पड़ाव में पड़ने वाले आखिरी गांव चिशौती में बारिश आफत बनकर टूटी। किश्तवाड़ से 83 किलोमीटर दूर उपमंडल पाडर में स्थित इस गांव से ही 9,500 फीट ऊंचे मंदिर तक 8.5 किलोमीटर की पैदल यात्रा शुरू होती है। यात्रा 5 सितंबर को संपन्न होती। इसके लिए भारी संख्या में श्रद्धालु यहां आए थे। चिशौती में भक्तों के लिए लगाए गए एक लंगर (सामुदायिक रसोई) को बादल फटने का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। पानी के साथ पत्थर व पेड़ बह कर आए जो घरों, दुकानों व तीर्थयात्रियों को बहा ले गए। एक सुरक्षा चौकी भी बह गई। चिशौती के उस हिस्से में भारी तबाही आई जो नाले पर बसे थे। नाले वाला पूरा हिस्सा ही बह गया है। पाडर के कई नालों में पानी का बहाव बहुत तेज हो गया है। भारी मात्रा में पानी बरस जाने से बाढ़ आ गई।

4 साल की उमा, 8 महीने की अनुष्का नहीं पसीजा मां का कलेजा, ले ली दोनों बेटियों की जान

उज्जैन, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन से 65 किलोमीटर दूर स्थित महिदपुर तहसील क्षेत्र से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। जहां कलयुगी मां ने अपनी दो बेटियों का गला घोंटकर उनकी जान ले ली। बेटियों की हत्या करने के बाद उसने खुद इस बात की जानकारी अपनी जेठानी को दी। उसने जेठानी से कहा कि मैंने दो बेटियों को मार डाला है। इस मामले पर जानकारी देते हुए महिदपुर एसडीओपी सुनील वरकड़े ने बताया कि महिदपुर थाने के गांव तुलसापुरा में दो मासूम बच्चियों की हत्या की जानकारी मिली थी। घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि अशोक बंजारा की तीन बेटियां हैं, जिनमें से उनकी पत्नी पूजा ने 4 साल की उमा और 8 महीने की अनुष्का को गला घोंटकर मार डाला, जिस वक्त पूजा ने इस घटना को अंजाम दिया। उस समय दोनों बच्चियां घर में खेल रही थीं और 7 साल की बड़ी बेटी, पति अशोक घर पर नहीं था। पूजा ने दोनों बच्चियों को मौत के घाट उतारने के बाद इस बात की जानकारी खुद अपनी जेठानी के पास पहुंचकर दी थी, जिसके बाद महिदपुर पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। महिदपुर अस्पताल में डॉक्टर मैत्री मिश्रा ने बताया कि दो बच्चियों को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था, लेकिन दोनों बच्चियों का जब इलाज शुरू किया गया तो पता चला कि वह पहले ही मर चुकी हैं। डॉक्टर मैत्री ने बताया कि एक बच्ची के नाक से खून निकल रहा था, जबकि दूसरी बच्ची के शरीर पर भी चोट के निशान थे। दोनों बच्चियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। महिदपुर थाना प्रभारी एन बी एस परिहार ने बताया कि इस मामले की जांच में पता चला है कि पूजा मानसिक रूप से बीमार है, जिसने इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया। मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम में पूजा ने दोनों बेटियों को मारने के बाद खुद अपनी जेठानी के पास पहुंचकर इस बात की जानकारी दी थी कि उसने अपनी 8 महीने की बेटी अनुष्का और 4 साल की बेटी उमा की गला घोटकर जान ले ली है, जिसके बाद जेठानी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

अस्पताल से भाग गई प्रेग्नेंट बांग्लादेशी महिला, 5 दिन पहले हुई थी भर्ती

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर में पिछले दिनों कई जगहों से कथित तौर पर अवैध तरीके से रहने वालों को गिरफ्तार किया गया था। इन्हीं में से एक 21 वर्षीय एक गर्भवती महिला की भी गिरफ्तारी की गई थी। पिछले दिनों महिला को खबरा स्वास्थ्य के कारण मुंबई के जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यही से महिला मौका पाकर फरार हो गई है। पुलिस प्रशासन महिला को तलाश करने में जुटा हुआ है। बांग्लादेशी महिला का जेजे अस्पताल में इलाज चल रहा था। इस दौरान उसकी निगरानी के लिए पुलिस भी तैनात की गई थी। हालांकि वह 14 अगस्त को अस्पताल से भागने में कामयाब रही। पुलिस ने बताया कि वह एक कांस्टेबल को धक्का मारकर भागी है। इस घटना के बाद से ही पुलिस ने पूरे शहर में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। इसके साथ ही अस्पतालों और जेलों में सुरक्षा प्रोटोकॉल पर चिंता बढ़ गई। अधिकारियों ने बताया कि रुबीना इरशाद शेख पांच महीने की प्रेग्नेंट है। इसके साथ ही वह मूल रूप से बांग्लादेश की रहने वाली है। जो नकली जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर भारत में रह रही थी। पुलिस ने बताया कि रुबीना इरशाद को 5 अगस्त को नवी मुंबई में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

'कुछ तो शर्म कर लो बहन'

प्रेमी से लिपटकर बाइक की टंकी पर बैठी लड़की, सरेराह रोमांस करते कपल का वीडियो देख भड़के लोग

भुवनेश्वर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से एक कपल का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर छाया हुआ है, जहां देखा जा सकता है कि कपल ने सारी मर्यादाओं को ताक पर रखकर सरेराह रोमांस किया। वीडियो में आप देख सकते हैं कि कपल एक बाइक पर सवार है। बाइक को प्रेमी चला रहा है, जबकि उसकी प्रेमिका बाइक की टंकी पर उलटी तरफ मुंह करके बैठी हुई है। इतना ही नहीं, इस दौरान प्रेमिका अपने प्रेमी से लिपटकर बैठी हुई दिखी और सरेराह वह प्रेमी के साथ रोमांटिक होते हुए भी नजर आई। घटना भुवनेश्वर की इन्फोसिटी जैसे हाई-प्रोफाइल इलाके की बताई जा रही है। वीडियो में यह भी देखा जा सकता है कि कपल ने न तो हेलमेट लगाया है, न ही वे किसी ट्रैफिक नियम को फॉलो कर रहे हैं और न ही उन्हें सड़क पर चलने वालों की परवाह है। यही नहीं, उन्हें समाज की मर्यादाओं की भी कोई फिक्र नहीं है। वे बस सरेराह अपने प्यार में मशगूल हैं। प्यार का जुनून उन पर ऐसा सवार है कि उन्हें रोमांस के अलावा कुछ नजर ही नहीं आ रहा। बता दें कि ये कपल थाने के सामने से भी ऐसे ही गुजरे, लेकिन किसी ने उन्हें रोका नहीं। भुवनेश्वर की सड़कों पर सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे भी अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं, लेकिन लगता है वे भी इस प्रेम कहानी को रिकॉर्ड करने में मशगूल थे। अब सवाल ये है कि जब शहर में ट्रैफिक की इतनी चौकसी का दावा किया जाता है, तो ये जोड़ा कैसे बाइक पर सर्कस करता हुआ निकल गया? क्या पुलिस ये सोचती रह गई कि, अरे, प्यार में तो इतना चलता है? या फिर ये भी हो सकता है कि सीसीटीवी ऑपरेटर उस वक्त पॉपकॉर्न खाते हुए वायरल वीडियो का आनंद ले रहे थे?

'साम, दाम, दंड, भेद, सच-झूठ', चुनाव जीतने के लिए मनीष सिसोदिया ने ऐसा क्या कहा, जिस पर हो रहा बवाल

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रभारी और दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के एक बयान पर जमकर बवाल हो रहा है। सिसोदिया ने आम आदमी पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा था कि चुनाव जीतने के लिए हर हथकंडा अपनाना है। इसी को लेकर विपक्ष आम आदमी पार्टी पर निशाना साध रहा है। 13 अगस्त को मोहाली में आम आदमी पार्टी की महिला विंग की एक वर्कशॉप आयोजित की गई थी। इस दौरान मनीष सिसोदिया महिला विंग को संबोधित करते हुए कहा कि आप के सभी काम लेकर महिला टीम घर-घर जाएगी। महिला विंग का असली पड़ाव है, 2027 का चुनाव जितवाना। 2027 के चुनाव जितवाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद, सच-झूठ, क्वेश्चन-आंसर, लड़ाई-झगड़ा जो करना पड़े, करेंगे। क्या आप लोग तैयार हैं? पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। सिसोदिया के बयान का वीडियो भी सामने आया था, जिसमें पार्टी के बड़े नेता दिखाई दे रहे थे। यह वीडियो वायरल होने के बाद विपक्ष के नेताओं ने आम आदमी पार्टी को घेरना शुरू कर दिया है।

पंजाब में 2027 में होंगे चुनाव

पंजाब में विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं। यहां आम आदमी पार्टी ने 2022 में पहली बार बहुमत हासिल किया था और सत्ता में आई थी। ऐसे में पार्टी की कोशिश दूसरी बार सरकार बनाने की होगी। दिल्ली में दो कार्यकाल पूरे करने के बाद पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। ऐसे में आप का पूरा जोर पंजाब में दोबारा सरकार बनाने पर होगा। क्योंकि, पंजाब के अलावा किसी भी राज्य में आम आदमी पार्टी न तो सत्ता में है और न ही सत्ता में आने की स्थिति में है। इसी वजह से सिसोदिया जैसे बड़े नेता दो साल पहले से पंजाब पर पूरा ध्यान लगाए हुए हैं।

पंजाब विधानसभा की मौजूदा स्थिति

117 सीट वाली पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी सत्ता में है। 2022 विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को 92 सीटें मिलीं थीं। वहीं, कांग्रेस को 18 सीटें, शिरोमणि अकाली दल को 3 सीटें, बीजेपी को 2 सीटें, बीएसपी को एक सीट और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। आप ने भारी बहुमत के साथ सरकार बनाई और भगवंत मान को मुख्यमंत्री चुना गया था। 2024 के उपचुनावों के बाद राज्य में आम आदमी पार्टी की स्थिति और मजबूत हुई है। उनकी सीटों की संख्या बढ़कर 94 हो गई है। कांग्रेस के पास अब 19 सीटें हैं।

दही हांडी की परंपरा कैसे शुरू हुई?

कब मनाया जाता है दही हांडी का पर्व

दही हांडी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अगले दिन भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है। इस साल यह पर्व 17 अगस्त को मनाया जाएगा। बता दें, यह पर्व खासतौर पर महाराष्ट्र, गुजरात, मथुरा, वृंदावन और गोकुल में यह पर्व पूरे जोश और उत्सव के साथ मनाया जाता है।

दही हांडी का त्योहार जन्माष्टमी के त्योहार के एक दिन बाद ही मनाया जाता है। जहां जन्माष्टमी के दिन भगवान विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इसी के बाद कान्हा की बाल लीलाओं पर समर्पित दही हांडी का आयोजन दूसरे दिन किया जाता है।

कब है दही हांडी

शास्त्रों के अनुसार भगवान कृष्ण का जन्म भाद्र मास के अष्टमी तिथि की रात को हुआ था। जिसके दूसरे दिन दही हांडी का त्योहार है। इस बार दही हांडी 17 अगस्त को मनाई जाएगी। दही हांडी के मौके पर लोग एक-दसूरे पर चढ़कर 'ह्यूमन पिरामिड' जैसी श्रृंखला बनाकर रस्सी से बंधी हांडी तक पहुंचकर उसे फोड़ते हैं। उस हांडी में मक्खन या दही रखी जाती है। यह उत्सव पूरे देश में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है।

दही हांडी मनाने का कारण

इसे मनाने के कारण कारण माना जाता है कि कान्हा को माखन पसंद होना। जब श्रीकृष्ण नंद गांव में रहते थें। बचपन के दिनों में वह अपने दोस्तों के साथ मिलकर पूरे गांव से दही चुराकर खाते हैं। जिसके कारण अपनी दोस्तों की मदद से हांडी तोड़नी पड़ती थी। इसी कारण हर साल दही हांडी का त्योहार मनाया जाता है।

सुरक्षा और सावधानियां

दही हांडी के दौरान मानव पिरामिड की ऊंचाई और जोखिम को देखते हुए कई बार हादसे भी हुए हैं। आयोजकों को सलाह दी जाती है कि वे मजबूत रस्सियां, सुरक्षा जाल और प्रशिक्षित गोविंदाओं को ही शामिल करें। साथ ही, भीड़ प्रबंधन और मेडिकल सुविधाएं भी जरूरी हैं।

क्या कहते हैं लोग?

सोशल मीडिया पर लोग दही हांडी के वीडियो और तस्वीरें शेयर कर उत्साह जता रहे हैं। 'दही हांडी का उत्साह देखकर बचपन की यादें ताजा हो जाती हैं। गोविंदा आला रे!'दही हांडी न केवल एक धार्मिक परंपरा है,

बल्कि यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव भी है, जो श्रीकृष्ण की लीलाओं को जीवंत करता है।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ा है दही हांडी का पर्व

देशभर में इस साल श्रीकृष्ण जन्मोत्सव यानी जन्माष्टमी 2025 का त्योहार 16 अगस्त को मनाया जा रहा है। लोग इस दिन कान्हा के दर्शन के लिए मंदिर जाते हैं, व्रत रखते हैं और झांकियां बनाकर लड्डू गोपाल का जन्म का उत्सव मनाते हैं। जन्माष्टमी के अगले दिन एक और रंगारंग परंपरा होती है, जिसे दही हांडी (Dahi Handi) के नाम से जाना जाता है। बता दें, दही हांडी का इतिहास भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ा हुआ है।

श्री कृष्ण को दूध, दही और माखन बहुत पसंद था। इसीलिए श्रीकृष्ण अपने मित्रों के साथ मिलकर अपने पड़ोसियों से घर से माखन चुराते थे और खाते थे। इसी वजह से कृष्ण जी को माखन चोर भी कहा जाता है. श्रीकृष्ण की माखन चोरी की आदत से परेशान होकर गोपियों ने अपने घर की माखन की हांडी को ऊंचाई पर बांधना शुरु कर दिया था। लेकिन श्रीकृष्ण ने अपनी टोली बनाकर गोपियों के इस कोशिश को भी नाकाम कर दिया। इसी वजह से दही हांडी का उत्सव मनाते हैं। श्री कृष्ण अपने बाल रुप में बहुत नटखट थे, उनके इसी नटखट रुप और शरारतों को याद करते हुए दही हांडी का उत्सव मनाया जाता है।

आज है सिंह संक्रांति, महा पुण्यकाल में होगा स्नान-दान

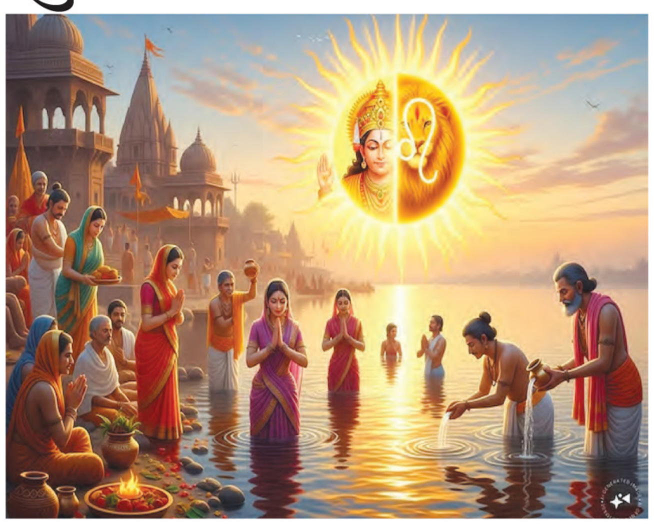

सिंह संक्रांति का पर्व 17 अगस्त दिन रविवार को है. सूर्य देव जब अपनी ही राशि सिंह में जिस समय प्रवेश करेंगे, उस समय सिंह संक्रांति होगी. सिंह राशि में सूर्य का गोचर होगा. सिंह संक्रांति के दिन स्नान और दान करने का महत्व है. ऐसा करने से पुण्य लाभ होता है, पाप मिटते हैं. इस बार सिंह संक्रांति का स्नान और दान महा पुण्यकाल में होगा. इस अवसर पर सूर्य से जुड़ी वस्तुओं का दान करते हैं. आइए जानते हैं सिंह संक्रांति के महा पुण्यकाल, स्नान दान समय और प्रभाव के बारे में.

सिंह संक्रांति की तारीख

दृक पंचांग के अनुसार, सूर्य देव 17 अगस्त को 2:00 एएम पर सिंह राशि में गोचर करेंगे. उस समय सिंह संक्रांति का क्षण होगा. सिंह संक्रांति के दिन भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि है. इस दिन व्याघात योग और रोहिणी नक्षत्र है.

सिंह संक्रांति का महा पुण्यकाल

इस बार सिंह संक्रांति का महा पुण्यकाल 2 घंटे का है. महा पुण्यकाल का प्रारंभ सुबह 05 बजकर 51 मिनट से होगा और यह सुबह 08 बजकर 03 मिनट तक रहेगा.

सिंह संक्रांति के दिन का पुण्यकाल 6 घंटे 34 मिनट तक है. उस दिन पुण्यकाल सुबह में 5 बजकर 51 मिनट से शुरू होगा और दोपहर में 12 बजकर 25 मिनट तक रहेगा.

सिंह संक्रांति का स्नान-दान मुहूर्त सिंह संक्रांति के अवसर पर स्नान और दान महा पुण्यकाल में करन उत्तम है. इस दिन आप स्नान और दान सुबह 05:51 बजे से सुबह 08:03 बजे के बीच कर सकते हैं. जो लोग किसी कारणवश इस समय में स्नान और दान नहीं कर सकते हैं, तो वे पुण्यकाल में कर सकत हैं. इसमें आपको सुबह से दोपहर 12:25 बजे तक का समय मिलेगा.

गर्दभ पर सवार हो उत्तर में गमन करेंगे सूर्य देव

इस सिंह संक्रांति का नाम राक्षसी है. भगवान सूर्य का वाहन गर्दभ है. वे गुलाबी वस्त्र पहने, हाथ में दंड लिए, गर्दभ पर सवार होकर, दृष्टि ईशान कोण में रखे, कांसे के पात्र में पकवान खाते हुए उत्तर दिशा में गमन करेंगे. उनकी मुद्रा हास्य की होगी. इस दिन सूर्य देव को केतकी का फूल अर्पित करें.

सिंह संक्रांति का प्रभाव

यह सिंह संक्रांति पशुओं के लिए ठीक होगी. उम्मीद है कि सिंह संक्रांति में वस्तुओं की कीमतें कम हों. हालांकि इस समय में भी देशों के बीच झगड़े, विवाद बढ़ने की आशंका है. संघर्ष की स्थिति बनी रहेगी. बदलते हुए मौसम में लोग खांसी, सर्दी और जुकाम से परेशान हो सकते हैं.

सिंह संक्रांति पर क्या दान करें?

सिंह संक्रांति पर आप स्नान करने के बाद गेहूं, लाल चंदन, लाल फल, लाल फूल, केसर, लाल वस्त्र, तांबा, गुड़, घी आदि का दान करें. इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से पाप मिटते हैं और पुण्य मिलता है. इन वस्तुओं के दान से कुंडली का सूर्य दोष मिटता है. सूर्य का शुभ फल प्राप्त होगा. इससे नौकरी, धन, धान्य, पिता से संबंधों में बढ़ोत्तरी होगी.

प्रकृति रूठी तो स्वतंत्रता की बड़ी कीमत चुकानी होगी

जब हम अपनी स्वतंत्रता का उत्सव मना रहे होते हैं तब प्रकृति अपनी स्वतंत्रता की मांग कर रही होती है। मनुष्य को गुलामी पसंद नहीं, लेकिन वो प्रकृति को गुलाम बना रहा है। स्वबोध का अनुभव ही स्वतंत्रता है। हमने मनुष्यों की गुलामी को तो समाप्त कर दिया, पर मानसिक गुलामी रह गई।

आज हम सब कहीं ना कहीं डरे हुए हैं। अगर इस मौसम की बात करें तो पानी से। कहीं ना आने का डर, कहीं अधिक आने का डर। जमीन को ज्वर आ गया है। आसमान अशांत हो गया है। और लगातार प्राकृतिक विपदाओं की खबरें मिलती हैं, क्योंकि प्रकृति भी स्वतंत्रता चाहती है।

हमारा देश जिस तरह से विकास कर रहा है, कई ईर्ष्यालु मुल्क हमें घेरे खड़े हैं। हमारे विरोधी और प्रतिस्पर्धी देशों से तो हम निपट लेंगे, लेकिन प्रकृति से कैसे निपटेंगे? उसकी स्वतंत्रता को लेकर हम अत्यधिक गंभीर रहें, उसका सम्मान करें।

जब भी स्वतंत्रता दिवस मनाएं तो यह विचार प्रत्येक भारतीय को करना चाहिए कि मैं अपने तईं प्रकृति का मान करूंगा। अगर प्रकृति रूठी रही तो मनुष्य को अपने स्वतंत्र होने की बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

अपनी तीसरी आंख क्यों नहीं खोलते थे कृष्ण
जब दो बार खोली तो आ गई थी कयामत

क्या आपको मालूम है कि सर्वशक्तिमान भगवान कृष्ण के एक तीसरी आंख भी थी. जिसे वह नहीं खोलते थे. लेकिन दो बार ऐसे मौके आए जब उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल ली. तब पांडवों के ऊपर आती हुई कयामत बच गई. क्या थे वो दोनों मामले।कृष्ण के तीसरी आंख खोलने का एक प्रसंग महाभारत के कर्ण पर्व में आता है, जब वे अर्जुन को अपना विराट रूप दिखाते हैं. कुछ लोकप्रिय कथाओं और भागवत परंपराओं में इसका जिक्र है।

तब कृष्ण ने तीसरी आंख खोली

जब कर्ण और अर्जुन का युद्ध चल रहा था, तब कर्ण के पास इंद्र द्वारा दिया गया शक्तिशाली अस्त्र था, जिसे वह अर्जुन पर चलाने वाला था. कृष्ण जानते थे कि यह अस्त्र अर्जुन के लिए घातक हो सकता है. कहा जाता है कि तब कृष्ण ने अपनी तीसरी आंख खोली, जिसे दिव्य नेत्र कहा जाता है. जैसे ही वो आंख खुली, तो एक तेज प्रकाश निकला. इससे कर्ण का ध्यान भटक गया।

इसी क्षण का फायदा उठाकर अर्जुन ने कर्ण पर प्रहार किया. उसका वध कर दिया. लेकिन अगर उस दिन वो अस्त्र चल गया होता तो शायद अर्जुन नहीं बच पाते. कृष्ण की तीसरी आंख ब्रह्मांडीय शक्ति और दिव्य ज्ञान का प्रतीक है. इस घटना में कृष्ण ने अपने विष्णु स्वरूप का आभास दिया, जिससे कर्ण समेत सभी योद्धा विस्मित हो गए हालांकि ये बात अर्जुन पहले भी समझते थे लेकिन अब पुख्ता तौर पर उनकी समझ में आ गया कि कृष्ण सिर्फ एक सारथी नहीं, बल्कि खुद भगवान हैं।

जब अश्वतथामा के खिलाफ तीसरा नेत्र खुला

महाभारत में अश्वत्थामा और कृष्ण के बीच एक ऐसा ही एक प्रसंग आता है, जहां कुछ कथाओं में कृष्ण अपना तीसरा नेत्र खोलते हैं. यह घटना सौप्तिक पर्व (रात्रि हत्याकांड) के बाद घटी, जब अश्वत्थामा ने ब्रह्मास्त्र छोड़कर पांडवों के वंश को नष्ट करने का प्रयास किया था. पहले तो अश्वतथामा ने पांडवों के कैंप में घुसकर शिखंडी और पांचों पांडवों पुत्रों की हत्या कर दी. फिर वह वहां से निकल भागा।

इससे बच गया पांडवों का वंश

जब कृष्ण और पांडवों ने उसे खोज निकाला तो उसने पांडवों के समूचे वंश का नाश करने के लिए उत्तरा के गर्भ में पल रहे परीक्षित को मारने के लिए ब्रह्मास्त्र चलाया. ये अगर सही लक्ष्य पर लगता तो पांडवों का वंश खत्म हो जाता. बाद में इस गर्भ की रक्षा के बाद उत्तरा के गर्भ से परीक्षित ने जन्म लिया, जो फिर हस्तिनापुर का राजा बना. तब कृष्ण को इसे रोकने के लिए अपनी तीसरी आंख खोलनी पड़ी. जब कृष्ण ने अश्वत्थामा के ब्रह्मास्त्र को रोकने के लिए तीसरा नेत्र खोला, तो उसकी ऊर्जा से पृथ्वी कांप उठी थी. हरिवंश पुराण और क्षेत्रीय लोककथाओं के साथ महाभारत में भी ये बताया गया है कि कृष्ण ने अपनी दिव्य शक्ति प्रकट की और तीसरा नेत्र खोला. कृष्ण ने नरकासुर के वध के लिए भी अपना तीसरा नेत्र खोला था. उनके तीसरे नेत्र से निकली ब्रह्मांडीय ऊर्जा ने अश्वत्थामा के ब्रह्मास्त्र को निष्क्रिय कर दिया. इसके बाद अश्वतथामा ने समर्पण कर दिया. उसने अपनी मस्तक मणि कृष्ण को दे दी और वहां से चला गया. हालांकि इसी समय उसे ये

शाप भी मिला कि उसे कभी मुक्ति नहीं मिलेगी. वह पृथ्वी पर हमेशा भटकता रहेगा।

कृष्ण अपना तीसरा नेत्र क्यों बंद रखते थे

भगवान कृष्ण के तीसरे नेत्र (दिव्य नेत्र) को बंद रखने के पीछे गहरे आध्यात्मिक और लौकिक कारण थे. कृष्ण का तीसरा नेत्र ब्रह्मांडीय शक्ति, ज्ञान और विनाशक ऊर्जा का प्रतीक है. इसे शिव के तीसरे नेत्र (ज्ञान और प्रलय का स्रोत) और विष्णु के सुदर्शन चक्र (संहारक शक्ति) का मिलाजुला रूप माना जाता था।

कृष्ण का तीसरा नेत्र अनियंत्रित विनाश ला सकता था. जैसे शिव के तीसरे नेत्र से खुलने पर प्रलय आ सकती थी, वैसे ही कृष्ण की यह शक्ति समस्त ब्रह्मांड को क्षणभर में भस्म कर सकती थी. अगर कृष्ण अपना तीसरा नेत्र हमेशा खुला रखते तो उनकी दिव्यता मनुष्यों के लिए असहनीय हो जाती. कृष्ण ने मनुष्यों को यह सिखाया कि शक्ति का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

भगवान शिव ने कई बार खोला था तीसरा नेत्र

पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान शिव गहन ध्यान में थे, तब कामदेव ने देवी पार्वती के अनुरोध पर उनके ध्यान को भंग करने की कोशिश की. इससे शिव क्रोधित हो गए और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल दी, जिसकी ज्वाला से कामदेव भस्म हो गए.

यह घटना बताती है कि तीसरी आंख क्रोध और अज्ञान के विनाश का प्रतीक है.

समुद्र मंथन के दौरान विष पीने के बादः जब देवता और दानव मिलकर समुद्र मंथन कर रहे थे, तब उसमें से हलाहल नामक भयंकर विष निकला. यह विष पूरी सृष्टि को नष्ट कर सकता था. सृष्टि को बचाने के लिए भगवान शिव ने उस विष को पी लिया. यह विष उनके गले में रुक गया और उनका गला नीला पड़ गया, इसलिए उन्हें नीलकंठ भी कहा जाता है. इस घटना के बाद, जब विष का प्रभाव उनके शरीर पर हो रहा था, तब उन्होंने अपनी तीसरी आंख का उपयोग अपनी ऊर्जा को नियंत्रित करने के लिए किया।

एक और कथा के अनुसार, अंधकासुर नाम के एक असुर ने घोर तपस्या करके यह वरदान प्राप्त कर लिया था कि उसके शरीर से निकलने वाले रक्त की हर बूंद से एक और अंधकासुर पैदा हो जाएगा. जब वह भगवान शिव से युद्ध कर रहा था, तब शिव ने अपनी तीसरी आंख का उपयोग करके उसके रक्त को सोख लिया, जिससे नए असुर पैदा नहीं हुए और शिव ने उसका वध कर दिया.माता दुर्गा और माता काली को कभी-कभी उनकी संहारक शक्ति को दर्शाने के लिए तीसरी आंख के साथ दिखाया जाता है।

जॉब इंटरव्यू के लिए जाते समय फॉलो करें ये टिप्स

सही दिशा में निकलें

वास्तु के अनुसार, घर से निकलते समय उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुंह करके निकलना शुभ होता है। यह दिशा सकारात्मक ऊर्जा और सफलता का प्रतीक है। इंटरव्यू के लिए निकलने से पहले, सुनिश्चित करें कि आपका पहला कदम इस दिशा में हो। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और मानसिक शांति मिलेगी।

हरे रंग का उपयोग करें

वास्तु में हरा रंग समृद्धि और सकारात्मकता का प्रतीक है। इंटरव्यू के लिए कपड़े चुनते समय हल्के हरे रंग का टाई, दुपट्टा या बैग शामिल करें। यह रंग आपकी ऊर्जा को संतुलित रखता है और इंटरव्यूअर पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। ध्यान रखें, रंग बहुत चटक नहीं होना चाहिए।

साफ-सुथरे जूते पहनें

वास्तु के अनुसार, साफ-सुथरे जूते पहनना आपके व्यक्तित्व में आत्मविश्वास और अनुशासन को दर्शाता है। गंदे या टूटे-फूटे जूते नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं। इंटरव्यू के लिए अच्छी तरह से पॉलिश किए हुए काले या भूरे जूते चुनें। यह छोटा कदम आपकी छवि को बेहतर बनाएगा।

सही समय पर निकलें

वास्तु में समय का विशेष महत्व है। इंटरव्यू के लिए सुबह का समय सबसे शुभ माना जाता है। कोशिश करें कि आप सुबह 6 से 10 बजे के बीच घर से निकलें। यह समय सकारात्मक ऊर्जा से भरा होता है। देर से निकलने से बचें, क्योंकि यह तनाव और नकारात्मकता को बढ़ा सकता है।

मंत्रों का जाप करें

वास्तु के साथ-साथ आध्यात्मिक ऊर्जा भी महत्वपूर्ण है। इंटरव्यू के लिए निकलने से पहले 'ॐ गं गणपतये नमः' या 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का 11 बार जाप करें। यह आपके मन को शांत रखेगा और आत्मविश्वास बढ़ाएगा। मंत्र जाप के दौरान पूर्व दिशा की ओर मुंह करें।

बैग में रखें ये शुभ वस्तु

वास्तु के अनुसार, इंटरव्यू के लिए अपने बैग में कोई शुभ वस्तु जैसे छोटी गणेश मूर्ति, तुलसी का पत्ता या स्फटिक माला रखें। ये वस्तुएं सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं और नकारात्मकता को दूर रखती हैं। ध्यान रखें कि वस्तु साफ और पवित्र हो।

भाई, तुम कब धमाका करना बंद करोगे?: सारा अली खान

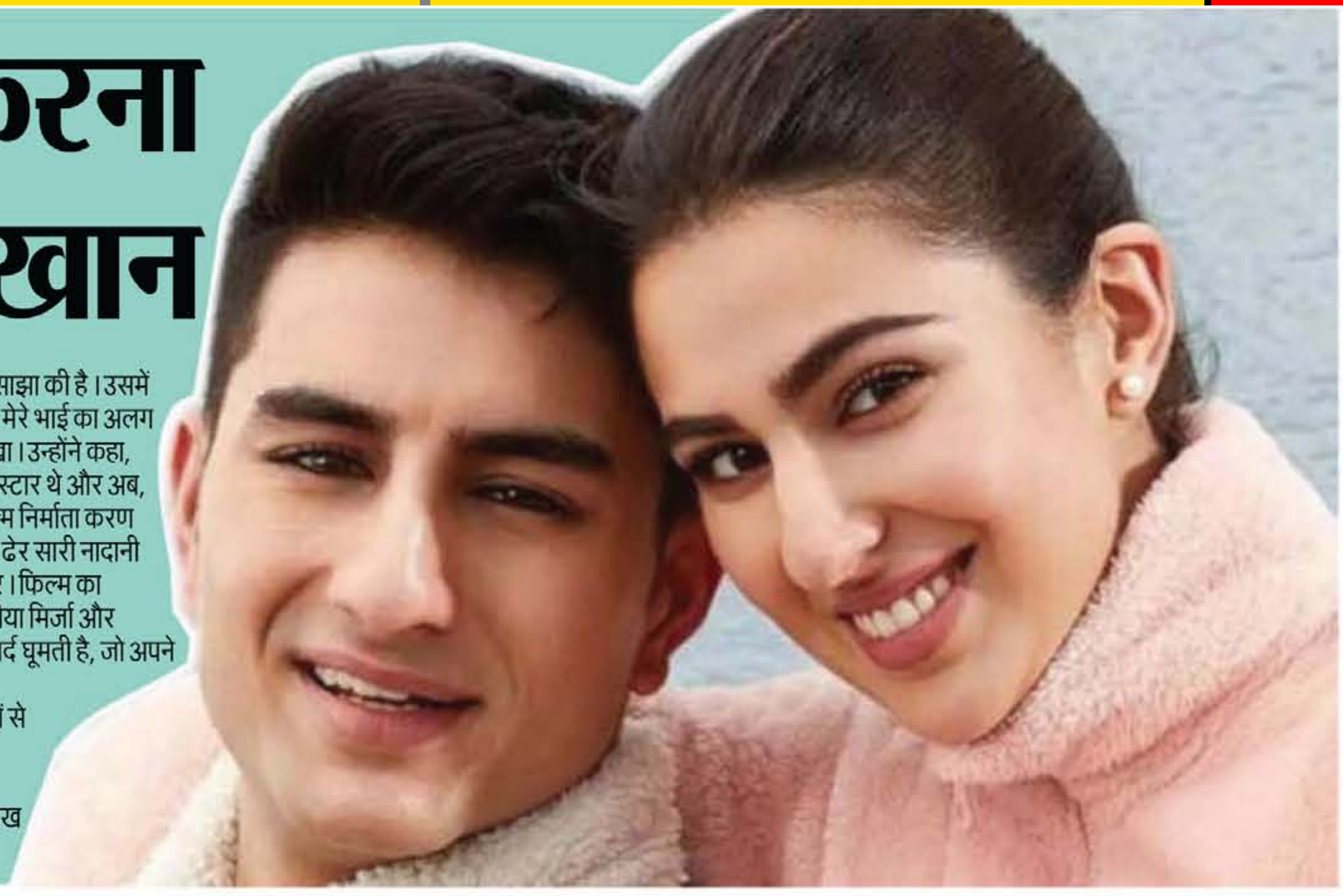

अभिनेत्री सारा अली खान अपने भाई इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म 'नादानियां' के एक गाने की झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। उसमें लिखा, भाई, तुम कब धमाका करना बंद करोगे? इसके साथ ही उन्होंने इब्राहिम की स्टाइल और अंदाज की तारीफ करते हुए कहा, मेरे भाई का अलग स्वैग है। इससे पहले सारा ने मुंबई में फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया और अपने छोटे भाई के लिए एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा, मेरे प्यारे भाई, मैं वादा करती हूँ कि हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगी और तुम्हारी सबसे बड़ी प्रशंसक बनी रहूंगी। तुम हमेशा मेरे लिए एक स्टार थे और अब, भगवान की इच्छा से पूरी दुनिया तुम्हें चमकते, धमाका करते हुए देखेगी। फिल्मों में तुम्हारा स्वागत है, यह तो बस शुरुआत है। फिल्म निर्माता करण जौहर ने भी अपने सोशल मीडिया पर इब्राहिम के डेब्यू को लेकर खुशी जताई। उन्होंने लिखा, वह दिन आ गया है! प्यार, दोस्ती और ढेर सारी नादानी से भरी कहानी के दरवाजे खुल गए हैं! इसे देखें, महसूस करें और इसके साथ झूमें। 'नादानियां' देखें, अभी, केवल नेटफ्लिक्स पर। फिल्म का निर्देशन शौना गौतम ने किया है और इसे धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज जैसे दमदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'नादानियां' की कहानी पिया (खुशी कपूर) की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने दोस्तों से झूठ बोलती है कि उसका एक बॉयफ्रेंड है, लेकिन असल में वह फेक होता है।

फिल्म में इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की केमिस्ट्री को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला है। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। कुछ दर्शकों को फिल्म की कहानी कमजोर लगी, तो कुछ ने कहा कि इब्राहिम ने अपने डेब्यू के हिसाब से शानदार प्रदर्शन किया है। अब देखना होगा कि इस फिल्म से उन्हें बॉलीवुड में कितनी मजबूती मिलती है। बता दें कि सारा अली खान अपने भाई के फिल्मी कॅरियर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इब्राहिम इस रोमांटिक एंटरटेनर के साथ बॉलीवुड में कदम रख चुके हैं, और उनकी बहन सारा लगातार उनका हौसला बढ़ा रही हैं।

फिर मनवाया विनीत कुमार ने अपनी प्रतिभा का लोहा

बालीवुड अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने लक्ष्मण उतेकर की छावा और रीमा कागती की सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में लगातार दो हिट फिल्में दीं। इन दोनों फिल्मों में उनके किरदारों को दर्शकों ने खूब सराहा और उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा एक बार फिर मनवाया। छावा में विनीत ने कवि कलश की भूमिका निभाई, जो एक निडर योद्धा, महान कवि और छत्रपति संभाजी महाराज के सबसे करीबी मित्रों में से एक थे। वहीं, सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में उन्होंने फरोग़ नामक संघर्षरत लेखक का किरदार निभाया, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ा संघर्ष करता है। अभिनय के मामले में विनीत ने हमेशा की तरह बेहतरीन प्रदर्शन किया और आलोचकों को कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। उनकी इस सफलता को देखते हुए हाल ही में उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में उनके योगदान के लिए एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया। इस सम्मान से अभिभूत विनीत ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, मैं उन सभी का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। यह पुरस्कार सिर्फ मेरी मेहनत का सम्मान नहीं है, बल्कि यह टीमवर्क और कम्युनिटी की ताकत का भी प्रमाण है। आपके संदेश हमेशा मेरे दिल को छू जाते हैं, जब आप कहते हैं कि मेरी सफलता आपको अपनी लगती है। और मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह पुरस्कार मेरे लिए इतना खास इसलिए है क्योंकि यह आप सभी का है! आपकी दुआएं, प्रोत्साहन और समर्थन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी यात्रा में परिवार, दोस्तों, मेंटर्स और सहयोगियों का साथ हमेशा एक मजबूत आधार रहा है। विनीत ने अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए यह भी कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है, आगे और भी बड़ी उपलब्धियां उनका इंतजार कर रही हैं। बता दें कि साल 2025 अभिनेता विनीत कुमार सिंह के लिए बेहद खास साबित हुआ है। अपने प्रोजेक्ट्स में हमेशा वाइल्डकार्ड की तरह उभरने वाले विनीत इस बार भी आलोचकों और दर्शकों की तारीफें बटोरने में सफल रहे।

अनुपम खेर का भावुक पोस्ट

2022 में रिलीज़ हुई विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स को आज तीन साल पूरे हो चुके हैं। कश्मीरी हिंदुओं के दर्दनाक विस्थापन की सच्चाई को दर्शाने वाली इस फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की, बल्कि एक गहरी सामाजिक बहस को भी जन्म दिया। रिलीज के समय फिल्म विवादों से भी घिरी रही, लेकिन इसकी प्रभावशाली कहानी और दमदार अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म की तीसरी वर्षगांठ पर अभिनेता अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, यह हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण और प्रासंगिक फिल्म है। कश्मीरी हिंदुओं के संघर्ष को दुनिया तक पहुंचाने के लिए ऐसी फिल्म की जरूरत थी। उन्होंने आगे कहा कि भले ही हालात पूरी तरह नहीं बदले हों, लेकिन कम से कम अब दुनिया उस दर्द को समझने लगी है। साथ ही उन्होंने फिल्म के निर्माता पल्लवी जोशी और निर्देशक विवेक अग्निहोत्री का धन्यवाद भी किया। द कश्मीर फाइल्स आज भी दर्शकों के बीच गहरी छाप छोड़ रही है और इस विषय पर चर्चा को जारी रखे हुए है।

फिल्म 'थामा' की शूटिंग में व्यस्त हैं रश्मिका मंदाना

बालीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी आगामी फिल्म 'थामा' की शूटिंग कर रही हैं। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक्ट्रेस ने फिल्म के नाइट शेड्यूल की झलक साझा की। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दो तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में वह कार में सोती नजर आ रही हैं, जिस पर उन्होंने कैप्शन दिया, नाइट शूट। मुझे नाइट शूट कितना पसंद है। दूसरी तस्वीर में वह अपनी वैनिटी वैन में बैठी हैं और एक ट्रैवल कप पकड़े हुए हैं, जिस पर लिखा है, थामा नाइट शूट। उनकी इन तस्वीरों ने प्रशंसकों को फिल्म के प्रति और अधिक उत्साहित कर दिया है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता आयुष्मान खुराना ने खुलासा किया कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए फिल्म की शूटिंग कुछ समय के लिए रोक दी गई थी। आयुष्मान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह और उनकी टीम फोन पर भारत बनाम न्यूजीलैंड का मैच देख रहे थे। जैसे ही भारत ने फाइनल में जीत दर्ज की, पूरी टीम ने खुशी मनाई। हालांकि, इसके बाद टीम ने धीरे-धीरे शूटिंग स्थल की ओर वापसी की। आयुष्मान ने इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा, शूट रुक जाती है जब इंडिया जीत जाता है। 'थामा' एक मनोरंजक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें एक रहस्यमयी और भयावह पृष्ठभूमि देखने को मिलेगी। इस फिल्म में रश्मिका और आयुष्मान की जोड़ी के साथ अनुभवी अभिनेता परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजान और अमर कौशिक द्वारा किया जा रहा है और इसे अक्टूबर 2025 में रिलीज किए जाने की उम्मीद है। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार कर रहे हैं, जो हाल ही में हिट फिल्म 'मुंज्या' के लिए चर्चा में थे। फिल्म की कहानी नीरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फुलारा द्वारा लिखी गई है। इसमें एक अथक इतिहासकार की कहानी दिखाई जाएगी, जो प्राचीन ग्रंथों की खोजबीन के दौरान स्थानीय पिशाच किंवदंतियों से जुड़े भयावह सच को उजागर करता है।

ससुराल में आरती सिंह की पहली होली

टीवी एक्ट्रेस और गोविंदा की भांजी आरती सिंह के लिए इस बार की होली बेहद खास रही। शादी के बाद यह उनकी पहली होली थी, जिसे उन्होंने ससुराल में धूमधाम से सेलिब्रेट किया। आरती ने अपनी होली सेलिब्रेशन की झलक सोशल मीडिया पर एक वीडियो और तस्वीरों के जरिए साझा की। तस्वीरों में आरती अपने पति दीपक चौहान के साथ रंगों में सराबोर नजर आ रही हैं। कभी वह पिचकारी के साथ पोज देती दिखीं तो कभी पति की गोद में मस्ती करती नजर आईं। उनके गालों पर गुलाल लगा था और वह होली के जोश में जय जय शिव शंकर गाने पर झूमकर नाच रही थीं। वहीं, 'एक के दो, दो के चार... मुझको तो दिखते हैं' गाते हुए उनके एक्सप्रेशंस देखने लायक थे। बता दें कि कृष्णा अभिषेक की बहन आरती सिंह ने 25 अप्रैल 2024 को दीपक चौहान से शादी की थी। शादी के बाद से ही वह अपनी मजेदार रील्स और खूबसूरत तस्वीरें फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। अब उनकी पहली होली की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

विद्युत जामवाल ने मथुरा में खेली धूमधाम से होली

पूरे देश में होली की धूम मची हुई है, और बॉलीवुड सितारे भी इस रंगों के त्योहार का जमकर आनंद ले रहे हैं। इस बार बॉलीवुड के एक्शन स्टार विद्युत जामवाल मथुरा पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धालुओं और फैंस के साथ धूमधाम से होली मनाई। मथुरा, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि के रूप में जाना जाता है, होली के लिए खास प्रसिद्ध है। विद्युत ने श्री द्वारिकाधीश मंदिर में शंखनाद किया और भक्तों संग जमकर रंग खेला। उन्होंने मथुरा की अनोखी होली को लेकर एक खास अपील भी की। एक वीडियो में उन्होंने कहा, जो हम यूट्यूब या फिल्मों में देखते हैं, असली अनुभव तो यहां आने के बाद ही होता है। मैं सभी भारतीय नागरिकों और बॉलीवुड सेलेब्स से अनुरोध करता हूं कि वे एक बार मथुरा आकर होली का अनुभव जरूर लें। विद्युत जामवाल, जो कमांडो और फोर्स जैसी हिट फिल्मों से फैंस के दिलों में जगह बना चुके हैं, जल्द ही मद्रासी में नजर आएंगे। यह फिल्म मशहूर निर्देशक ए. आर. मुरुगदास की है। उन्होंने कहा कि मथुरा की होली उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा।

मालदीव में छुट्टियां मना रही रकुल प्रीत

बालीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपने पति, निर्माता-अभिनेता जैकी भगनानी के साथ मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। यहां से एक्ट्रेस ने अपने वेकेशन की कई रोमांटिक फोटोज शेयर की हैं। उन्होंने एक प्यार भरा पोस्ट भी लिखा है। रकुल ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कपल एक-दूसरे को हग करते दिख रहा है। वीडियो में रकुल, जैकी से पूछती हैं, 'सनसेट पसंद है?' जैकी रकुल की ओर देखते हैं और जवाब देते हैं, 'बहुत प्यारा है'। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और फिल्म, पर्सनल लाइफ से जुड़े पोस्ट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इससे पहले रकुल ने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पति जैकी भगनानी ने उन्हें गुलाबी लिली का गुलदस्ता भेंट किया, जिसे पाकर वह बेहद खुश हैं। एक्ट्रेस ने फैंस के साथ अपनी खुशी शेयर करने के लिए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया, जिसमें वह गुलाबी लिली थामे कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराती नजर आईं। तस्वीर को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'जब पति फूल लेकर आते हैं। जैकी भगनानी, आई लव यू'। पिछले साल शादी के बंधन में बंधे रकुल और जैकी ने अपनी शादी के एक साल पूरे होने पर 21 फरवरी को जश्न मनाया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मोंटाज शेयर किया, जिसमें उन्होंने साथ बिताए अपने अनमोल पलों को कैद किया। क्लिप में रकुल और जैकी के साथ बिताए समय की मनमोहक झलकियां भी दिखाई दी। रकुल और जैकी कोविड लॉकडाउन के दौरान करीब आए थे।

शालिनी और कार्तिक की जोड़ी हो सकती है शानदार: गजराज राव

हाल ही में आयोजित आईफा अवॉर्ड्स में मशहूर अभिनेता गजराज राव ने कहा कि ऑन-स्क्रीन शालिनी पांडे और कार्तिक आर्यन की जोड़ी शानदार साबित हो सकती है। एक्टर ने कहा, मेरे दिमाग में दो नाम आते हैं। पहला शिवानी रघुवंशी, जिनके साथ मैंने दुपहिया में काम किया और दूसरा शालिनी पांडे, जिनके साथ मैंने हाल ही में डब्बा कार्टेल नाम की वेब सीरीज की। वह कार्तिक आर्यन के लिए एक बेहतरीन ऑन-स्क्रीन पार्टनर हो सकती हैं। मशहूर अभिनेता गजराज राव ने अभिनेत्री शालिनी पांडे की जमकर तारीफ की है। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही डब्बा कार्टेल में शबाना आजमी और ज्योतिका भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह वेब सीरीज दर्शकों को काफी पसंद आ रही है और खासतौर पर शालिनी पांडे के किरदार राजी को खूब सराहा जा रहा है। इससे पहले भी शालिनी ने अर्जुन रेड्डी, जयेशभाई जोरदार और महाराज जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया है। गजराज राव की इस सिफारिश के बाद अब शालिनी और कार्तिक आर्यन के साथ आने की संभावनाओं पर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बीच, कार्तिक आर्यन ने सुपरहिट हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी भूल भुलैया 3 के लिए आईफा अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष) का पुरस्कार जीता। उन्होंने अवॉर्ड लेते हुए कहा, मेरे पास अभी शब्द नहीं हैं। मैं चंदू नहीं हूं, मैं चैंपियन हूं। कार्तिक ने याद करते हुए कहा कि जब उन्हें भूल भुलैया 2 में कास्ट किया गया था, तो कई लोगों ने शक जताया था कि क्या वह इस फ्रैंचाइजी को अपने कंधों पर उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, जब मुझे भूल भुलैया 2 के लिए चुना गया था, तब लोग कहते थे कि क्या मैं इस फिल्म को कर पाऊंगा। हमें नहीं पता था कि हम सफल होंगे या नहीं।

बृजक्षेत्र में लौटेगा द्वापर युग, सीएम योगी का है 30 हजार करोड़ का मास्टरप्लान

भगवान श्रीकृष्ण के 5252वें जन्मोत्सव पर मथुरा में योगी आदित्यनाथ ने की बड़ी घोषणा

मथुरा (एजेंसी)। भगवान श्रीकृष्ण के 5252वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मथुरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मथुरा के डैम्पियर नगर स्थित पांचजन्य सभागार में आयोजित पूज्य साधु-संतों के सम्मान समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने मथुरा-वृंदावन को करीब 646 करोड़ रुपये की लागत वाली 118 विकास परियोजनाओं की सौगात दी और बृजक्षेत्र के समग्र विकास के लिए 30 हजार करोड़ रुपये की नई कार्ययोजना की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पांच हजार वर्षों के पौराणिक इतिहास के हम साक्षी बन रहे हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देश और दुनिया से भक्त यहां भक्तिमय भाव के साथ एकत्रित हुए हैं। मथुरा की पावन माटी और इसके रज-रज में श्रीकृष्ण बसे हैं। ऐसी भक्ति दुनिया में कहीं और मिलना दुर्लभ है। इस पवित्र भूमि को कोटि-कोटि नमन। सभी को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से उन्हें मथुरा में रंगोत्सव और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे आयोजनों में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने भारत को आध्यात्मिकता और आधुनिक विकास के संगम के रूप में स्थापित करने की बात कही, जिसकी प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलती है। सीएम योगी ने कहा कि पूरी दुनिया भारत की आध्यात्मिक विरासत पर शोध के लिए उत्सुक है। जब भी विश्व को संकट से उबरना होगा, भारत की आध्यात्मिक विरासत ही स्थायी शांति और सौहार्द का मार्ग प्रशस्त करेगी।

मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के उद्देश्य को याद करते हुए कहा कि उनका अवतार सज्जनों के संरक्षण और दुष्टों के संहार के लिए हुआ था। उन्होंने युद्धभूमि को धर्मभूमि में बदल दिया। योगी ने कहा कि श्रीकृष्ण की निष्काम कर्म की प्रेरणा हमें ताकत देती है। जब तक यह प्रेरणा हमारे बीच है, कोई हमारा बाल भी बांका नहीं कर सकता। उन्होंने भारत की आजादी के 78 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता के शताब्दी महोत्सव (2047) के लिए नए संकल्प रखे हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा में हुई 24 घंटे की चर्चा का जिक्र करते हुए कहा कि 2047 तक उत्तर प्रदेश को समृद्ध और विकसित बनाने के लिए समाज और सरकार को मिलकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने मथुरा-वृंदावन के लिए 646 करोड़ रुपये की 118 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें 80 परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया जिनकी लागत करीब 273 करोड़ रुपए है। वहीं 38 परियोजनाओं का शिलान्यास मुख्यमंत्री ने किया, जिनकी लागत करीब 373 करोड़ रुपए है। इन परियोजनाओं में परिक्रमा मार्गों का सौंदर्यीकरण, प्रवेश द्वार, कुंडों का जीर्णोद्धार, श्रद्धालुओं की सुविधा, कनेक्टिविटी, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने पांचजन्य सभागार में भजन-कीर्तन और श्रीकृष्ण लीलाओं के आयोजन को भक्तिमय माहौल का हिस्सा बताया। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों और संतों के प्रयासों की सराहना की, जिनके सहयोग से बृजक्षेत्र के विकास के प्रस्ताव स्वीकृत हुए। उन्होंने कहा कि सरकार और समाज मिलकर भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और संवर्धित करने के लिए कटिबद्ध हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कान्हा और राधारानी के वेश में आए छह बच्चों को अपनी गोद में लिया और उन्हें दुलार किया। सीएम ने बच्चों को अपने हाथों से खीर भी खिलाई, साथ ही उनका अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया। इससे वहां मौजूद सभी लोग भावुक हो गए। उन्होंने बच्चों के माथे पर तिलक लगाया, मोती की माला पहनाई और उन्हें खिलौने भेंट किए। सीएम का यह सहज भाव देखकर श्रद्धालु अभिभूत हो गए।

बृजक्षेत्र के विकास के लिए 30 हजार करोड़ की योजना

मुख्यमंत्री ने बृजक्षेत्र के समग्र विकास के लिए 30 हजार करोड़ रुपये की नई कार्ययोजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह कार्ययोजना मथुरा, वृंदावन, बरसाना और गोकुल जैसे तीर्थ स्थलों को द्वापर युग की स्मृतियों से जोड़ेगी। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार पूज्य संतों की भावनाओं का सम्मान करने और बृजक्षेत्र को संवर्धित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम उन कार्यों को संभव बना रहे हैं, जिन्हें कभी असंभव माना जाता था।' उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उदाहरण देते हुए कहा कि 10 साल पहले इनकी कल्पना भी असंभव लगती थी, लेकिन आज ये साकार हो चुके हैं। काशी में जहां पहले 50 श्रद्धालु एक साथ दर्शन नहीं कर पाते थे, वहां आज 50 हजार श्रद्धालु एक साथ दर्शन कर सकते हैं। अयोध्या में भव्य राम मंदिर त्रेतायुग की स्मृति को जीवंत कर रहा है। इसी तरह, विंध्यवासिनी धाम में भी भव्य कॉरिडोर का निर्माण पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने गंगा की निर्मलता और अविरलता का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गंगा आज स्नान और आचमन योग्य हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 2019 के प्रयागराज कुम्भ में 67 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई थी। उसी तरह, डबल इंजन सरकार यमुना की अविरलता और निर्मलता के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रही है।

उन्होंने बरसाना में रोपवे सुविधा का जिक्र करते हुए कहा कि यह बुजुर्गों के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने कहा विकास का यही लाभ है कि हम श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

डॉ. डी.के. गुप्ता को मिला 'द रीयल हीरोज ऑफ इंडिया 2025' अवार्ड

दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित 'द रीयल हीरोज ऑफ इंडिया अवार्ड' एवं 'आयरन लेडी सम्मान' समारोह में देश की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत की। जल जंगल जमीन फाउंडेशन एवं बुद्धांजलि रिसर्च फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस भव्य समारोह में फेलिक्स ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता को 'द रीयल हीरोज ऑफ इंडिया 2025' अवार्ड से नवाजा गया। उन्हें यह सम्मान हेल्थकेयर सेक्टर में उनके विशेष योगदान और समाज के लिए किए जा रहे सेवाभाव को देखते हुए प्रदान किया गया। आपको बता दें कि डॉ. गुप्ता देशभर में जरूरतमंद लोगों को इलाज की विश्वस्तरीय एवं आधुनिकतम सुविधाएं सस्ते दरों पर उपलब्ध कराने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं।

सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. डी.के. गुप्ता ने कहा यह पुरस्कार सिर्फ उनका नहीं, बल्कि पूरी फेलिक्स फैमिली का है। हमने हमेशा स्वास्थ्य सेवा को एक सेवा धर्म माना है। डॉक्टर का काम केवल इलाज करना नहीं, बल्कि मरीज को उम्मीद और विश्वास देना भी है। हेल्थकेयर सेक्टर समाज सेवा का सबसे बड़ा जरिया है। जब तक हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिलेगी। तब तक हम वास्तविक स्वतंत्रता की परिभाषा को पूर्ण नहीं कर पाएंगे। उनका लक्ष्य हेल्थकेयर को सस्ती, सुलभ और आधुनिक तकनीक आधारित बनाना है। उन्होंने इस अवसर पर सरकार और निजी क्षेत्र से मिलकर काम करने का आह्वान किया। जिससे हर वर्ग को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। भारत तभी स्वस्थ और सशक्त बन सकता है, जब स्वास्थ्य सेवाएं हर गली-मोहल्ले तक पहुंचें और आम आदमी के लिए किफायती हों। डॉ. गुप्ता ने पिछले वर्षों में नोएडा-ग्रेटर नोएडा सहित पूरे दिल्ली-एनसीआर में हेल्थकेयर सेवाओं को नई पहचान दिलाई है। उन्होंने मॉडर्न इमरजेंसी केयर, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और स्पेशलाइज्ड ट्रीटमेंट को जनसामान्य तक पहुंचाने का कार्य किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी फेलिक्स अस्पताल ने बड़ी संख्या में मरीजों का उपचार कर मानव सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया था।

इस राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में लोकसभा सांसद मुकेश राजपूत और दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर रॉबिन हिबू के अलावा राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग की सदस्य एवं पूर्व सांसद अंजू बाला, पद्मश्री कल्पना सरोज और सेबी के पूर्णकालिक सदस्य मधुकर समेत सियासत, कला, साहित्य, सिनेमा, संस्कृति, कानून, पत्रकारिता, कारोबार और आध्यात्म जगत की कई दिग्गज हस्तियां मौजूद रहीं।

ग्रेटर नोएडा की नामी यूनिवर्सिटी में बी-टेक छात्र ने लगाई फांसी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा यूनिवर्सिटी के अंतिम वर्ष के बीटेक (कंप्यूटर साइंस) के छात्र शिवम डे (24) ने 15 अगस्त की रात नॉलेज पार्क स्थित एचएमआर हॉस्टल में चादर से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शिवम मूलरूप से बिहार के पूर्णिया जिले के मधुबनी कॉलोनी का रहने वाला था। उसका घर 1300 किलोमीटर से भी अधिक दूर था।

घटना के समय उसका रूममेट बाहर गया हुआ था। जब तक साथियों और हॉस्टल प्रशासन को जानकारी मिली, तब तक शिवम दम तोड़ चुका था। पुलिस ने मौके से एक सुसाइड नोट बरामद किया है। उसमें उसने आत्महत्या के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया है।

नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। पिता कार्तिक चंद्र डे प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। पत्नी कविता डे गृहिणी हैं। परिवार में एक छोटी बहन स्निग्धा भी है, जो कक्षा दसवीं में पढ़ती है।

परिजनों ने बताया कि शिवम दो महीने पहले ही माता-पिता के साथ वैष्णो देवी दर्शन कर लौटा था। वह स्वभाव से शांत और विनम्र था। वार्डन और मित्रों ने बताया था कि शिवम ज्यादा बातचीत नहीं करता था। पिछले दिनों वह कई बार उदास दिखा।

13वीं मंजिल से पांचवीं पर गिरी लिफ्ट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो वेस्ट स्थित एम्स ग्रीन सोसायटी में शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस की शाम एक घरेलू सहायिका लिफ्ट में फंसने के कारण बेहोश हो गई। करीब आधे घंटे बाद होश आने पर उसने शोर मचाया। शोर की आवाज सुनकर पहुंचे निवासियों ने गार्डों की मदद से डंडे की मदद से लिफ्ट का दरवाजा तोड़कर घरेलू सहायिका को बाहर निकाला। लिफ्ट फंसने की घटना से नाराज सोसाइटी के निवासियों ने देर रात करीब चार घंटे तक कोतवाली परिसर में हंगामा किया। सोसायटी निवासी संदीप तोमर ने बताया कि घरेलू सहायिका अमीता फ्लैट नंबर डी-1205 ए में काम करने आती हैं। शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे वह सोसाइटी में काम के लिए आई थी। 13वीं मंजिल से काम करने के लिए आ रही सहायिका अचानक लिफ्ट में फंस गई।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से संपन्न

गाजियाबाद। नगर आर्य समाज नया गंज में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से संपन्न हुआ।

आचार्य रामोतार शास्त्री ने यज्ञ करवाया।

मेरठ से पधारे सुप्रसिद्ध भजनोपदेश वीरपाल एवं गजराज ने श्रीकृष्ण का गुणगान गीतों के माध्यम से किया जिसे सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

सुविख्यात वैदिक विद्वान कृष्ण शास्त्री ने श्रीकृष्ण के 5253 वें जन्मोत्सव की शुभकामनायें देते हुए कहा कि सत्यार्थ प्रकाश के ग्याहरवें समुल्लास में महर्षि दयानन्द ने श्रीकृष्ण जी के विषय में जो लिखा है वह प्रत्येक भारतीय के लिए पठनीय है। "देखो ! श्रीकृष्ण जी का इतिहास महाभारत (ग्रन्थ) में अत्युत्तम है।उनका गुण,कर्म,स्वभाव और चरित्र आप्त पुरूषों के सदृश है,जिसमें कोई अधर्म का आचरण श्रीकृष्ण जी ने जन्म से मरण पर्यन्त बुरा काम कुछ भी किया हो,ऐसा नहीं लिखा और इस भागवत वाले (पुराण के रचनाकार ने) ने अनुचित मनमाने दोष (श्रीकृष्णजी पर) लगाये हैं। (उन पर) दूध,दही मक्खन आदि की चोरी लगाई और कुब्जा दासी से समागम,पर स्त्रियों से रासमंडल क्रीड़ा आदि मिथ्या दोष श्रीकृष्ण जी में लगाये हैं।इसको पढ़-पढ़ा,सुन-सुना के अन्य मत वाले श्रीकृष्ण जी की बहुत सी निन्दा करते हैं।जो यह भागवत (पुराण) न होता तो श्रीकृष्ण जी के सदृश महात्माओं की झूठी निन्दा क्योंकर होती? उन्होंने आगे कहा कि श्रीकृष्ण प्रतिदिन संध्या,यज्ञ एवं वेदों का स्वाध्याय किया करते थे आप भी बच्चों को नित्य संध्या,यज्ञ एवं वेदों का स्वाध्याय सीखाएं और स्वयं करेंगे तभी हम सही मायने में उनके भक्त कहलाएंगे। आर्य समाज के प्रधान भुवनेश्वर दत्त शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से केंद्रीय आर्य युवक परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष योगी प्रवीण आर्य, बबली कसाना, राजेश्वर शास्त्री, प्रवीण शर्मा, बृजपाल गुप्ता, आशा रानी आर्या, सत्यपाल आर्य, अशोक गुप्ता,धनेश मित्तल, विकास गुप्ता, नरेन्द्र आर्य आदि उपस्थित रहे।